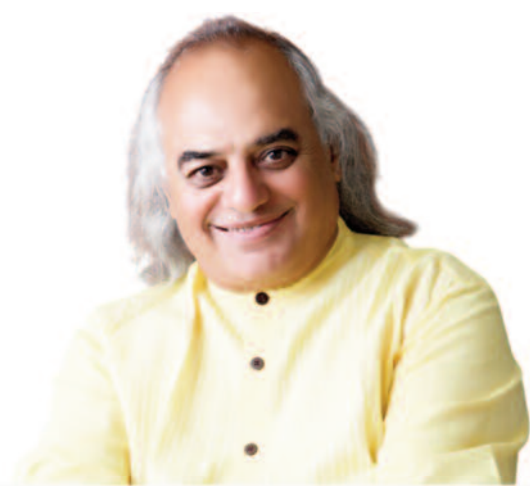




पहले समझौता और अब विकास की सौगात...

शांति फॉर्मूला मणिपुर में लाएगा नया सवेरा: मोदी

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर के मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा शुरू होने के दो साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पहली बार राज्य के दौरे पर पहुंच रहे हैं। मोदी सरकार ने पहले चार सितंबर को कुकी उग्रवादी समूहों के साथ संघर्ष विराम समझौते पर हस्ताक्षर करके बड़ी सफलता हासिल की और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद मणिपुर पहुंचकर विकास की सौगात से नवाजेंगे। पीएम मोदी मणिपुर में 8,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का अनावरण करेंगे। कुकी समाज के बहुल इलाके चुराचांदपुर में पीएम मोदी 7,300 करोड़ रुपये की विकास परियोजना की आधारशिला रखेंगे। वहीं, मैतेई बहुल इंपाल में 1,200 करोड़ रुपये के परियोजना का उद्घाटन पीएम मोदी करेंगे। इस तरह पीएम मोदी कुकी और मैतेई दोनों ही समाज के इलाके में विकास की आधारशिला रखकर मणिपुर में शांति का नया सवेरा लाने का प्लान बनाया है।

मणिपुर में मई 2023 से कुकी और मैतेई समुदायों के बीच संघर्ष शुरू हुआ था, जिसमें 260 से ज्यादा लोग मारे गए और हजारों लोग बेघर हुए। ऐसे में हिंसा शुरू होने के बाद से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे की मांग उठती रही है। इसे लेकर वो लगातार विपक्ष के निशाने पर रहे। हालांकि, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हिंसा की शुरुआत में राज्य का दौरा जरूर किया था, लेकिन प्रधानमंत्री नहीं गए। हिंसा को नियंत्रित न कर पाने के चलते मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को इस्तीफा देना पड़ा और मणिपुर में फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है।

विपक्ष कहता रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी दुनिया की यात्रा की है, लेकिन पिछले दो साल में संघर्षग्रस्त



राज्य का दौरा करने का उन्हें समय नहीं मिला। केंद्र सरकार की ओर से कई प्रशासनिक और सुरक्षा उपायों के बावजूद, घाटी में रहने वाले मैतेई और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच गहरे अविश्वास और संदेह के कारण मणिपुर में स्थायी शांति अब तक संभव नहीं हो पाई है। हालांकि, पीएम मोदी द्वारा हाल में उठाए गए कदमों की कुछ विश्लेषक आशावादी नजरिए से देख रहे हैं।

अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो साल के बाद पहली बार शनिवार को मणिपुर के दौरे पर रहेंगे। पीएम पहले मिजोरम को असम से जोड़ने वाली रेलवे लाइन का उद्घाटन करेंगे और उसके बाद मणिपुर पहुंचेंगे। इस दौरान वह न सिर्फ लोगों से मिलेंगे बल्कि हजारों करोड़ की विकास योजनाओं का तोहफा भी देंगे। यह दौरा न सिर्फ विकास योजनाओं की शुरूआत का प्रतीक होगा, बल्कि शांति और भरोसे की बहाली का भी संकेत माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी अपने दौरे में 8,500

करोड़ रुपये के विकास कार्यों का तोहफा देंगे। इनमें से 7,300 करोड़ रुपये की योजनाओं की नींव चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड से रखी जाएगी, जो कि कुकी बहुल इलाका है। वहीं, इंपाल में मैतेई समुदाय के बीच 1,200 करोड़ रुपये के बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया जाएगा।

हिंसा के चलते मैतेई और कुकी समुदायों के बीच गहरी खाई पैदा हो गई है, लेकिन पीएम मोदी की यात्रा को दोनों समाज के बीच शांति का दांव माना जा रहा है। अब दोनों समुदायों के प्रतिनिधि भी यह मान रहे हैं कि प्रधानमंत्री की मौजूदगी से बातचीत और भरोसे का माहौल बनेगा, स्थानीय लोगों की जुबान पर अब यही चर्चा है कि यह दौरा केवल विकास की सौगात भर नहीं, बल्कि शांति का नया अध्याय साबित होगा। राज्यसभा सांसद लेइशेम्बा सनाजाओबा ने इसे भाग्यशाली अवसर बताया और कहा, 'इतिहास में पहली बार कोई प्रधानमंत्री

मणिपुर में आएगा शांति का नया सवेरा

संघर्ष ऑफ ऑपरेशन्स जिसे युद्धविराम समझौता भी कहते हैं, इस पर केंद्र सरकार, मणिपुर सरकार और कुकी-जो विद्रोही समूहों के दो संगठनों ने हस्ताक्षर किए हैं। यह एग्रीमेंट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मणिपुर यात्रा से पहले हुआ है। ऐसे में माना जा रहा है कि पीएम मोदी शनिवार को मणिपुर को विकास की सौगात देने के साथ-साथ कुकी और मैतेई समुदाय के बीच शांति की आधारशिला भी रखेंगे।

बीजेपी ने बीरेन सिंह को सीएम पद से हटाने का कदम उठाया है। बीरेन सिंह एक मैतेई हैं और कुकी पक्ष उन्हें शांति प्रक्रिया में बाधा के रूप में देखता था। बीरेन सिंह के हटने के बाद कुकी और मैतेई समाज के बीच शांति समझौते पर सहमति बनी। इस समझौते की एक प्रमुख बात मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने की प्रतिबद्धता है।

यह एक ऐसा निर्णय है जो कुकी लोगों की अलग प्रशासन की मांग से एक बड़े बदलाव का संकेत

देता है। मैतेई सिविल सोसायटी ग्रुप अलग प्रशासन के विचार का कड़ा विरोध करते रहे हैं। समझौते पर हस्ताक्षर होने के कुछ ही समय बाद, सिविल सोसायटी ग्रुप्स कुकी-जो काउंसिल (KZC) ने भारत के संविधान के तहत एक अलग प्रशासन के लिए राजनीतिक बातचीत की आशा व्यक्त करके मामले को और जटिल बना दिया।

मोदी सरकार ने कहा था कि केजेडसी लोगों और सामानों की निर्बाध आवाजाही के लिए एनएच-2 (इम्फाल-दीमापुर राजमार्ग) पर नाकाबंदी हटाने पर सहमत है। वह इस रूट पर शांति बनाए रखने के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में अब राजनीतिक और सामाजिक हलकों में सवाल उठ रहा है कि प्रधानमंत्री के दौरे से मणिपुर को क्या हासिल होगा। प्रदेश कांग्रेस ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री को बहुत पहले ऐसा करना चाहिए था। अब यह मामला इतना उलझ गया है कि इसका समाधान बहुत मुश्किल है।

आवाजाही और आवश्यक सामानों की आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को फिर से खोलने से जुड़ा अहम एग्रीमेंट किया गया। यह समझौता कुकी- जो सिविल सोसायटी से जुड़ा संगठन है, इसके साथ किया गया है। लेकिन उसके ठीक बाद दोनों समुदायों के बीच शांति वार्ता में शामिल एक आदिवासी नेता की कुकी उग्रवादियों द्वारा हत्या ने सरकार के इस दावे पर सवाल खड़ा कर दिया है।

देश के 15वें उपराष्ट्रपति बने सीपी राधाकृष्णन राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ, पीएम ने दी बधाई



नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलाई। यह समारोह राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया गया, जहाँ राधाकृष्णन ने भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। लाल कुर्ता पहने राधाकृष्णन ने ईश्वर के नाम पर अंग्रेजी में शपथ ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और कैबिनेट मंत्रियों व विपक्षी नेताओं सहित कई अन्य शीर्ष राजनीतिक नेता इस समारोह में शामिल हुए। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद धनखड़ पहली बार सार्वजनिक रूप से इस समारोह में शामिल हुए।

इससे पहले 9 सितंबर को, एनडीए के उम्मीदवार राधाकृष्णन भारत के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए थे। उन्हें 452 वोट मिले थे, जबकि विपक्षी उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले थे। तत्कालीन निवर्तमान राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को अचानक इस्तीफे के कारण यह चुनाव आवश्यक हो गया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ



(आरएसएस) से गहरी जड़ें रखने वाले तमिलनाडु के वरिष्ठ भाजपा नेता 67 वर्षीय राधाकृष्णन ने 452 वोट हासिल करके उपराष्ट्रपति पद का चुनाव जीता। उनके प्रतिद्वंद्वी, विपक्षी दल इंडिया ब्लाक के उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले।

भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के संख्यात्मक बल को देखते हुए, राधाकृष्णन की जीत अपेक्षित थी। एनडीए के पास कांग्रेसों पर 427 सांसद थे और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के 11 सांसदों और कई छोटे दलों का अतिरिक्त समर्थन प्राप्त था, जिससे वह 377 के आधे से भी अधिक बहुमत के आंकड़े को

आसानी से पार कर गया था। उनके पक्ष में क्रॉस-वोटिंग के संकेत भी मिले थे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफे के कारण यह चुनाव आवश्यक हो गया था। अपनी जीत के बाद, राधाकृष्णन ने गुरुवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने नई नियुक्ति होने तक गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। कोयंबटूर से दो बार सांसद और तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष राधाकृष्णन का दशकों लंबा करियर जनसंघ से शुरू हुआ और फिर भाजपा में शामिल हो गए।

अयोग्य 97 लाख वाहनों को कबाड़ में बदलने से मिलेगा 40,000 करोड़ रुपये जीएसटी: नितिन गडकरी

नई दिल्ली। गडकरी ने वाहन कलपुर्जा विनिमार्ताओं के निकाय एक्मा के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हमारे अनुमान के मुताबिक करीब 97 लाख वाहनों को कबाड़ में बदलने की जरूरत है। ऐसा होने पर 70 लाख नौकरियां पैदा होंगी और केंद्र एवं राज्यों को जीएसटी राजस्व के तौर पर करीब 40,000 करोड़ रुपये मिलेंगे। उन्होंने निजी क्षेत्र से आग्रह किया कि वाहन को कबाड़ में देने यानी स्क्रेप का प्रमाणपत्र जमा करने वाले ग्राहकों को नए वाहन खरीदते समय कम से कम पांच प्रतिशत की छूट दें।

गडकरी ने कहा कि वर्तमान में हर महीने औसतन 16,830 वाहन स्क्रेप हो रहे हैं और निजी क्षेत्र ने इस क्षेत्र में 2,700 करोड़ रुपये का निवेश किया है। सरकार ने पर्यावरण-



अनुकूल तरीके से चलने के अयोग्य हो चुके एवं प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को चरणबद्ध ढंग से हटाने के लिए स्वैच्छिक वाहन बेड़ा आधुनिकीकरण कार्यक्रम (वी-वीएमपी) लागू किया हुआ है।

मोटर वाहन नियमों के तहत वाणिज्यिक वाहनों के लिए फिटनेस

जांच कराना अनिवार्य है। यह जांच आठ साल तक हर दो साल पर करना होता है और फिर हर साल करना जरूरी होता है। निजी वाहनों के मामले में फिटनेस जांच 15 साल की अवधि पूरी होने के बाद करानी होती है। सरकारी वाहनों की उपयोग अवधि 15 साल के बाद समाप्त हो जाती है।

गडकरी ने ऊर्जा सुरक्षा एवं ईंधन आयात पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि भारत हर साल 22 लाख करोड़ रुपये के पेट्रोल-डीजल ईंधन का आयात करता है और कृषि से एथनॉल उत्पादन बढ़ाकर आयात पर निर्भरता कम की जा सकती है।

ई-20 पेट्रोल फिलहाल छोटे इंजन संशोधनों के साथ इस्तेमाल किया जा रहा है जबकि ई-27 की मिलावट के बारे में कोई निर्णय सभी जांच पूरे होने के बाद ही लिया जाएगा। उन्होंने सड़क सुरक्षा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि 2023 में पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं हुईं जिनमें 1.8 लाख लोगों की मौत हुई। इनमें 66 प्रतिशत लोग 18-34 वर्ष की उम्र के थे। गडकरी ने भारत को आने वाले पांच वर्षों में दुनिया का अग्रणी वाहन उद्योग का विश्वास भी जताया।

यूपी के युवाओं के पास करोड़पति बनने का मौका!

लखनऊ। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में प्रदेश के युवा उद्यमियों को भी व्यापार बढ़ाने का नया मंच मिलेगा।

व्यापार मेले में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान योजना के तहत सफल उद्यमियों को पहली बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का मौका दिया जाएगा। सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम विभाग ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश दिवस के मौके पर बीती 24 जनवरी को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान योजना का शुभारंभ किया था। योजना के तहत युवाओं को पांच



लाख रुपये तक का ऋण बिना गारंटी व ब्याज के दिया जा रहा है।

अभी तक दो लाख से अधिक युवाओं ने आवेदन कर दिया है, इनमें से 84,426 युवाओं को अपना उद्यम

स्थापित करने के लिए विभिन्न बैंकों द्वारा 3,431 करोड़ रुपये का ऋण भी वितरित कर दिया गया है। इनमें 60,005 युवक व 24,421 युवतियां शामिल हैं। ऋण लेने वालों में सेवा

क्षेत्र के सर्वाधिक 53,045 व उत्पादन क्षेत्र से संबंधित 31,383 युवा शामिल हैं।

एमएसएमडी विभाग की तरफ से यूपीआइटीएस में उत्पादों के प्रदर्शन के लिए सफल युवा उद्यमियों को चिह्नित किया जा रहा है। इन्हें बीटूबी (बिजनेस टू बिजनेस) बैठकों व गोल मेज सम्मेलन में भी शामिल होने के मौका दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर युवा उद्यमियों के नवाचार को भी व्यापार मेले में आने वाले अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों के सामने पेश किया जाएगा, जिससे उन्हें आगे बढ़ने का मौका मिल सके। इसके लिए युवा उद्यमियों की अलग से सूची तैयार की जा रही है।

EASY SOLAR®

दीजिये अपने घर को सौर ऊर्जा और मुफ्त बिजली का उपहार
जुड़िये प्रधानमंत्री - सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से

“ इस योजना से अधिक आय, कम बिजली बिल और लोगों के लिए रोजगार सृजन होगा। ”

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

आज ही सख्खिडी का लाभ उठाए

संयंत्र की क्षमता	केंद्र सरकार का अनुदान (₹.)	राज्य सरकार का अनुदान (₹.)	कुल अनुमन्य अनुदान (₹.)	संयंत्र की अनुमानित लागत (₹.)	उपभोक्ता का प्रभावी अंशदान (₹.)
3KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹180000	₹72000
5KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹275000	₹167000
8KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹400000	₹292000
10KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹500000	₹392000

बहेतर कल के लिए ईजी सोलर के साथ कदम बढ़ाएं।

@ **7%*** Rate of Interest P.A
Subsidy From Government

1800 313 333 333

www.easysolarsolutions.com

सड़क का निर्माण कार्य तत्काल गुणवत्तापूर्वक प्रारम्भ किया जाए: जिलाधिकारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जिन्दल रोड एवं किसान डेयरी से जोधपुर स्वीटस तक के क्षतिग्रस्त मार्गों के सम्बन्ध में श्री धनन्जय मिश्रा, निवासी डी०एल०एफ० अंकुर विहार, लोनी गाजियाबाद द्वारा शिकायत की गई थी जिसके क्रम में जिलाधिकारी कार्यालय पर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में बैठक आहूत हुई। बैठक में इ० राजीव कुमार सिंह अधिशासी अभियन्ता (जोन-8) गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, इ० अरुण प्रताप सिंह अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड (प्रथम) उ०प्र० जल निगम (नगरीय) व कृष्णकान्त मिश्र अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद लोनी उपस्थित रहे।

उक्त के सम्बंध में अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड (प्रथम) ने अवगत कराया कि अमृत 2.0 कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रश्नगत क्षेत्र हेतु स्वीकृत लोनी सीवेरेज योजना (फेज-3 पार्ट-1) के अन्तर्गत प्रश्नगत मार्गों पर सीवर



लाइन बिछाये जाने से मार्ग क्षतिग्रस्त हुआ है। किसान डेयरी से जोधपुर स्वीटस तक लगभग 100 मी0 लम्बाई में सड़क क्षतिग्रस्त हुयी है, जिसके सापेक्ष 70 मी० की लम्बाई में सी०सी० रोड की पुर्नस्थापना का कार्य करा दिया गया था। अवशेष 30 मी० लम्बाई में सड़क पुर्नस्थापना का कार्य भारी वर्षा होने के फलस्वरूप सड़क पर जलभराव की स्थिति होने के फलस्वरूप नहीं कराया जा सका है। वर्तमान में वर्षा ऋतु समापन होने पर सड़क पुर्नस्थापना हेतु सम्बन्धित

फर्म को निर्देशित कर दिया गया है एवं सड़क पुर्नस्थापना का कार्य 10 दिवस में पूर्ण करा दिया जायेगा। साथ ही जिन्दल मार्ग पर सीवर लाईन बिछाये जाने हेतु सड़क को लगभग 3 मी० की चौड़ाई में सड़क क्षतिग्रस्त हुयी है। उक्त चौड़ाई में ही सड़क पुर्नस्थापना का कार्य कराया जाना योजनान्तर्गत प्राविधानित है। उक्त के अतिरिक्त सड़क के किनारो पर इन्टरलॉकिंग टाईल लगाने का भी प्राविधान नहीं है, जबकि क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा सड़क के चौड़ीकरण के

साथ-साथ सड़क की पटरी पर 11 मी० चौड़ाई में इन्टरलॉकिंग टाईल्स लगाये जाने की अपेक्षा की गयी है।

उपरोक्त के क्रम में अधिशासी अभियन्ता, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, गाजियाबाद द्वारा अवगत कराया गया कि जिन्दल मार्ग पर 7 मी0 चौड़ाई में सड़क निर्माण का कार्य एवं 1-1 मी0 चौड़ाई में सड़क के दोनों ओर साईट पटरी पर इन्टरलॉकिंग टाईल्स का कार्य कराये जाने का प्राधिकरण की नगरीय अवस्थापना निधि की बैठक

दिनांक 27.01.2025 के अन्तर्गत स्वीकृत है, परन्तु स्थल पर उ०प्र० जल निगम (नगरीय) द्वारा सीवर लाईन डालने के पश्चात सड़क के निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिये जाने के कारण प्राधिकरण द्वारा निविदा आमंत्रित किये जाने की कार्यवाही नहीं की गयी है। जिलाधिकारी द्वारा एम०एम० रोड पर किसान डेयरी से जोधपुर स्वीटस तक अवशेष सड़क का निर्माण तत्काल गुणवत्तापूर्वक प्रारम्भ कराये जाने हेतु अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड (प्रथम), उ०प्र० जल निगम (नगरीय), गाजियाबाद को निर्देशित किया गया।

वहीं जिन्दल रोड पर सीवर के अवशेष कार्यों को उ०प्र० जल निगम (नगरीय) द्वारा शीघ्र पूर्ण कर मार्ग को मोटेरेबल कर दिया जाये एवं उक्त अवधि के दौरान गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा प्रश्नगत मार्ग की पुर्नस्थापन हेतु स्वीकृत कार्यों की निविदा को मोटेरेबल बनाया जा रहा है, ताकि यातायात में आने-जाने वालों को किसी

सड़के होंगी गह्वा मुक्त, लोक निर्माण विभाग ने शुरू किया अभियान

प्रत्येक सड़क को किया जाए गह्वा मुक्त: रविन्द्र कुमार माँदड़

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुपालन में लोक निर्माण विभाग ने वर्षा ऋतु के पश्चात सड़कों को गह्वा मुक्त करने का कार्य प्रारम्भ कर दिया है। इस अभियान के तहत सबसे पहले उन मार्गों को दुरुस्त किया जा रहा है, जो ज्यादा आवश्यक एवं अत्यधिक क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। वर्तमान में दिल्ली- सहारनपुर- यमुनोत्री मार्ग को गह्वा मुक्त करने का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। यह मार्ग विशेषकर लोनी के आवादी वाले हिस्से में नालों के पानी और वर्षा के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। फिलहाल सड़क पर पथर भरकर उसे मोटेरेबल बनाया जा रहा है, ताकि यातायात में आने-जाने वालों को किसी



प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मुख्मन्त्री की मंशा के अनुरूप प्रत्येक सड़क को गह्वा मुक्त किया जाए। उन्होंने लोक निर्माण

विभाग को सख्ती से कहा है कि क्रमवार सभी सड़कों की मरम्मत की जाए तथा यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण गुणवत्ता के साथ सम्पन्न किया जाए।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। दिनांक 16.09.2025 को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की आहूत समीक्षा बैठक की तैयारी के संबंध में दिनांक 12-09-2025 को अभिनव गोपाल, मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद, की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आहूत की गयी।

जिसमें क्रमशः राजेश कुमार सिंह, सचिव, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण गाजियाबाद, प्रदीप कुमार पाण्डेय, परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण गाजियाबाद, जीतबहादुर सिंह पी0टी0ओ0 (आर0टी0ओ0 गाजियाबाद), विशाल पुण्डरी, एवं

सुजाता सिंह, जे0सी0, जौ0एस0टी0 विभाग, नागेन्द्र मणि त्रिपाठी, सहायक वैज्ञानिक, प्रदूषण विभाग गाजियाबाद, डी0के0 शर्मा, सहायक अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग गाजियाबाद, पीयूष कुमार, ड्डा विभाग गाजियाबाद द्वारा प्रतिभाग किया गया।

उक्त प्रस्तावित समीक्षा बैठक हेतु मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बैठक की तैयारी के संबंध में संबंधित अधिकारियों से चर्चा की गयी जिसमें सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि आपने विभाग से संबंधित कार्यक्रम की रिपोर्ट तैयार करते हुए प्रगति रिपोर्ट सहित दिशा बैठक में प्रतिभाग करने के निर्देश दिये गये।

मोरटी के डूब क्षेत्र में लगभग 17 बीघा में विकसित की जा रही अनाधिकृत कालोनियों को जीडीए ने किया ध्वस्त

तीन धर्म कांटो भी किए गए ध्वस्त, नंद ग्राम में दो दुकानों पर की गयी सीलिंग की कार्यवाही

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष महोदय के स्वीकृत नक्शे के विपरित और अनाधिकृत कालोनियों पर समय रहते एक्शन के निर्देश के क्रम मे दिनांक 12 सितंबर 2025 को प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन 1 के प्रभारी के नेतृत्व में ग्राम मोरटी के डूब क्षेत्र में विकासकर्ता अशोक जैन के द्वारा लगभग 8 बीघा में विकसित की जा रही अनाधिकृत कालोनी में बिजली के पोल , बाउंड्री और कालोनाइजर के दफ्तर पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई।

इसी के क्रम में ग्राम मोरटी में ही महादेव इन्कलेब नाम से लगभग 9 बीघा में विकसित की जा रही



अनाधिकृत कालोनी मे भी ध्वस्तीकरण किया गया। ध्वस्तीकरण के दौरान कुछ लोगों के द्वारा विरोध किया गया, हालांकि थाना पुलिस एवं प्राधिकरण के पुलिस दस्ते के द्वारा विरोध करने वालों को खदेड़ दिया गया। मोरटी रोड पर ए के चिल्ड्रन स्कूल के सामने और जी डी गोयनका स्कूल के निकट अनाधिकृत तरीके से संचालित तीन धर्म कांटे ध्वस्त किए

गए। नंद ग्राम की बैम्बे कालोनी के सामने नंद ग्राम में साहिल वर्मा के द्वारा स्वीकृत नक्शे के विपरित बनायी गई दो दुकानों को सील किया गया। इस बीच चेतावनी दी गई कि अवैध निर्माण के खिलाफ प्राधिकरण की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। कार्यवाही के दौरान प्रवर्तन जोन 1 के सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्ता, पुलिस बल और समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा प्रतिदिन की तरह जनसुनवाई की गयी। जिलाधिकारी द्वारा की जा रही जनसुनवाई में प्रत्येक जनसुनवाई में प्रार्थियों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। जन सुनवाई के दौरान नगर निगम, पुलिस विभाग, जीडीए, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी द्वारा सभी प्रार्थियों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना व समाझा गया।

उन्होंने प्रार्थियों से जाना कि उनके द्वारा पूर्व में भी इस सम्बंध में कोई प्रार्थना पत्र दिया गया था अथवा नहीं। उन्होंने सभी प्रार्थियों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्या का पूर्ण



गुणवत्ता के साथ समाधान कराया जायेगा।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि समस्याओं के निदान हेतु आये प्रार्थियों की समस्याओं को ध्यान पूर्वक सुने,

समझे और उसके पश्चात गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु आवश्यक कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि स्थलीय निरीक्षण योग्य शिकायतों का स्थलीय निरीक्षण कर ही गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए, इसके साथ ही सभी शिकायतों के

निस्तारण उपरान्त शिकायतकर्ता से उसका फीडबैक लेना भी सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त होने वाली हर शिकायत का निस्तारण त्वरित कार्यवाही से किया जाए। किसी भी

शिकायत के लिए शिकायतकर्ता द्वारा पुनः शिकायत के लिए ना आना पड़े, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की हिला-हवाली बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

इसके साथ ही अपने क्षेत्रों की समस्याओं एवं विभागों में चल रही योजनाओं से सम्बंधित समस्याओं का भी संज्ञान लेते हुए उनका भी निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाए। जरूरी नहीं है कि शिकायत मिलने के बाद ही समस्या का समाधान किया जाए। इसलिए जनता, विकास एवं योजनाओं से सम्बंधित जो भी समस्यायें हो उनका निस्तारण किया जाना सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई के दौरान एडीएम एल/ए विवेक मिश्र, सिटी मजिस्ट्रेट डॉ. संतोष कुमार उपोध्यय, आईएसएस अमान जैन व एसीएम राजेन्द्र कुमार उपस्थित रहे।

नगर आयुक्त की अध्यक्षता में हुई एनिमल बर्थ कंट्रोल मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक, 11 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर लिए गए निर्णय

तीन एबीसी सेंटर संचालित करने वाला उत्तर प्रदेश में पहला नगर निगम होगा गाजियाबाद

गजियाबाद। नगर निगम ने एक बार फिर अपनी कार्यशैली और नवाचार के कारण प्रशंस में मिसाल कायम करने का निर्णय लिया है। नगर निगम मुख्यालय में शनिवार को नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में एनिमल बर्थ कंट्रोल मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई, जिसमें शहर की आवारा और निराश्रित श्वानों से संबंधित समस्याओं के स्थायी समाधान और एबीसी कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए गंभीर और रणनीतिक निर्णय लिए गए। बैठक में यह ऐतिहासिक फैसला लिया गया कि गाजियाबाद प्रदेश का पहला नगर निगम बनेगा, जहां तीन एबीसी सेंटर एक साथ संचालित होंगे और निराश्रित श्वानों के लिए मास रबीज वैक्सीनेशन और

आरएफआईडी माइक्रोचिप की शुरुआत की जाएगी। इस कदम से शहरवासियों को राहत मिलने के साथ ही श्वानों के कल्याण की दिशा में भी महत्वपूर्ण सुधार होगा। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बैठक में स्पष्ट कहा कि गाजियाबाद नगर निगम का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका जमीनी क्रियान्वयन करना है। उन्होंने बताया कि निराश्रित श्वानों की समस्याओं का समाधान अब वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टिकोण से किया जाएगा। इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम है आरएफआईडी माइक्रोचिप की शुरुआत, जिसके माध्यम से प्रत्येक श्वान की पूरी जानकारी रजिस्ट्रेशन, टीकाकरण और बध्वाकरण डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्ज



की जाएगी।

इस प्रणाली से गाजियाबाद नगर निगम न केवल प्रदेश में अग्रणी बनेगा, बल्कि अन्य नगर निगमों के लिए भी एक मॉडल स्थापित करेगा। नगर आयुक्त ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि प्रतिदिन स्टैलाइडेशन की संख्या बढ़ाई जाए



और महीने में कम से कम दो बार मॉनिटरिंग बैठक आयोजित की जाए। बैठक में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.पी. पांडेय, उपमुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. अतुज कुमार सिंह, डॉ. हरिवंश सिंह, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. आशीष त्रिपाठी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश

कुमार सिंह और वार्ड 100 के पार्षद संजय सिंह समेत कई सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर श्वानों की बढ़ती संख्या और उससे उत्पन्न समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि पालतू श्वानों का पंजीकरण 311 एप और जीएमसी पेट एप के माध्यम से बढ़े भेमाने पर किया

जाएगा और नागरिकों को इस प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके अलावा आरडब्ल्यू और एओए को भी निर्देश दिए गए कि वे अपनी सोसाइटियों में फीडिंग पॉइंट स्थापित करें, जिससे श्वानों को नियंत्रित और सुरक्षित रूप से भोजन उपलब्ध हो सके। बैठक में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का भी विशेष रूप से उल्लेख किया गया। इस क्रम में नगर निगम ने डॉंग शेल्टर बनाने की कार्य योजना प्रस्तुत की। यह शेल्टर न केवल निराश्रित श्वानों के लिए सुरक्षित ठिकाना प्रदान करेगा, बल्कि उनके इलाज, देखभाल और एडॉप्शन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नगर आयुक्त ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा श्वानों को गोद लेने की संस्कृति

विकसित की जानी चाहिए, जिससे शहर और पशु दोनों लाभान्वित हों। इसके साथ ही नए सफे अड्डे पर बनाए गए एबीसी सेंटर पर बध्वाकरण की प्रक्रिया जल्द प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए गए। नगर आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि अब गाजियाबाद में किसी भी श्वान संबंधित समस्या को नजर अंदाज नहीं किया जाएगा। हेल्पलाइन नंबर 9650934500 पर आने वाली शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा और शिकायत दर्ज होते ही संबंधित टीम मौके पर पहुंचेगी। इस पहल से न केवल शहर में आवारा श्वानों की समस्याओं का स्थायी समाधान होगा, बल्कि गाजियाबाद को स्मार्ट और नगर निगम की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और नागरिक सहभागिता भी बढ़ेगी। नगर

निगम अब उत्तर प्रदेश का पहला ऐसा नगर निगम बनने जा रहा है, जहां निराश्रित श्वानों पर मास रबीज वैक्सीनेशन और आरएफआईडी माइक्रोचिप की शुरुआत होगी। इस पहल से शहरी प्रशासन और पशु कल्याण में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कहा कि इस योजना की सफलता के लिए शहरवासियों का सहयोग अनिवार्य है। उन्होंने अपील की कि नागरिक आगे आएं और नगर निगम की इस ऐतिहासिक पहल का हिस्सा बनें। बैठक में लिए गए निर्णय न केवल शहर को वर्तमान समस्याओं का समाधान करेंगे, बल्कि गाजियाबाद को स्मार्ट और तकनीकी दृष्टि से सक्षम नगर निगम के रूप में स्थापित करेंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में उमड़ी भीड़, जिला जज को किया याद

लोक अदालत के दौरान वादों के निस्तारण से जनता का भरोसा बढ़ा: अनिल कुमार



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के तत्वावधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय परिसर, गाजियाबाद में श्रीमान अनिल कुमार-चतुर्थ, प्रभारी जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें

संजयवीर सिंह, पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, परवेन्द्र कुमार शर्मा, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, प्रमेन्द्र कुमार, विशेष न्यायाधीश सी०बी०आई०, नीरज गौतम, विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट / प्रभारी अधिकारी नजरत विभाग, गौरव शर्मा, नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत / स्पे० जज एससी/एसटी एक्ट एवं श्री कुमार मिताक्षर, अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व अन्य

सम्मानित न्यायिक अधिकारीगणों द्वारा प्रतिभाग किया गया। लोक अदालत का शुभारम्भ दीपप्रज्ज्वलित कर किया गया। अनिल कुमार प्रभारी जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद ने कहा कि लोक अदालत के दौरान प्रकरणों के निस्तारण से जनता का भरोसा बढ़ा है। इसके साथ ही अदालतों पर लंबित मामलों का बोझ भी घटा है। हमें लोक अदालत मामलों को सही तरीके से



निस्तारण करना चाहिए। जिससे जनता का विश्वास भी बढ़ेगा और जजों पर लंबित मामलों का बोझ भी घटेगा। टिबूनल जिला जज संजय वीर सिंह ने कहा स्व० अशोष गर्ग जिला जज हमेशा कहते थे लोक अदालत हमें अच्छे से चलानी चाहिए, आज वे हमारे बीच नहीं हैं, हमारा दायित्व है कि हम लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निपटान कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दें। राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न



प्रकृति के कुल 186634 वादों का निस्तारण किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह योग्य / शमनीय 66600 वादों का निस्तारण किया गया। इसमें अर्थदण्ड से दण्डनीय मामलों में अंकन 11315151/- रुपए अर्थदण्ड आरोपित कर वसूल किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में वैवाहिक एवं भरण पोषण सम्बन्धी 233 मामलों का निस्तारण परिवार न्यायालय द्वारा सुलह समझौते के आधार पर हुआ। लघु प्रकृति के

मामलों में लेबर एक्ट, वाणिज्य अधिनियम, 26 यू०पी०एक्ट, पुलिस अधिनियम, बाट माप अधिनियम, मोटर वाहन अधिनियम, आबकारी अधिनियम, जिला परिषद अधिनियम आदि से सम्बन्धित मामलों का निस्तारण किया गया। मोटर वाहन दुर्घटना प्रतिकर से सम्बन्धित कुल 10 मामलों का निस्तारण करते हुए पक्षकारान को 32309174/- रुपए अदा किये जाने के आदेश पारित किये गये। राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न बैंकों के लोन रिकवरी/ बी.एस.एन.एल. से सम्बन्धित कुल 434 मामलों का निस्तारण किया गया। इसमें 30407/30/- रुपए की धनराशि वसूली के आदेश पारित किये गये।

मामलों का राजस्व न्यायालयों से प्राप्त सूचना के अनुसार राजस्व सम्बन्धी 119131. निस्तारण किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन में अधिवक्ताओं ने भी पूर्ण सहयोग किया।

भारत व हिंदू विरोधी नेपाल को अपना निशाना बना रहे हैं: श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज

यू.पी. ऑब्ज़र्वर



गाजियाबाद। सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ महादेव मठ मंदिर के पीठाधीश्वर, दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष एवं जूना अखाड़ा के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि नेपाल में जो कुछ हुआ, वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। नेपाल को अस्थिर करने का षडयंत्र रचा जा रहा है और ऐसा कर भारत को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। महाराजश्री ने कहा कि नेपाल ही विश्व में एकमात्र ऐसा देश है, जो राष्ट्र रहा है। नेपाल में 250 वर्ष राजाओं का शासन रहा, मगर कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ और नेपाल में सुख-शांति रही। पिछले कुछ समय से नेपाल में भारत व हिंदू विरोधी सत्ता संचाल रहे हैं, उसी के चलते वहां पर भ्रष्टाचार हो रहा है। नेपाल की हिंसा भारत व हिंदू धर्म के खिलाफ किए जा रहे षडयंत्र व भ्रष्टाचार का ही नतीजा है। विदेशी ताकतें भारत को कमजोर करने के लिए नेपाल, श्रीलंका आदि देशों को अपना माध्यम बना रही हैं। ऐसे में जहां भारत सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए, वहीं हिंदुओं को भी एकजुट होना चाहिए। श्रीमहंत नारायण

गिरि ने कहा कि नेपाल में पशुपति नाथ मंदिर को भी नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया है। भारत व नेपाल अलग नहीं हैं। नेपाल भारत का भाई है और नेपाली हिंसा, सर्वोच्च सुखाय की बात करता है। विश्व का कल्याण हो और प्राणियों में सदभावना हो कहने वाला सिर्फ सनातन धर्म ही है। जब तक विध्वंसकारी शक्तियों का नाश नहीं होगा तब तक ऐसे षडयंत्र होते रहेंगे। पूरे विश्व में जब सनातन धर्म का परचम होगा, तभी विश्व में शांति होगी और सभी का कल्याण होगा।

राजनगर में 16 सितम्बर को डांडिया नाइट से आरंभ होगा श्री रामलीला महोत्सव



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। श्री रामलीला समिति राजनगर (रंज०) की ओर से आगामी 16 सितम्बर से डांडिया नाइट की धमक के साथ श्री रामलीला महोत्सव का शुभारंभ होगा।

इस मौके पर समिति के मुख्य संरक्षक जितेन्द्र यादव तथा संस्था के अध्यक्ष जयकुमार गुप्ता ने बताया कि 17 सितंबर को खादू श्याम महोत्सव तथा 18 सितंबर को श्री गणेश पूजन एवं शोभा यात्रा के साथ रामलीला मेला भी आरंभ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने सिर्फ हमारे आराध्य हैं बल्कि सनातन संस्कृति के आधार स्तम्भ भी हैं। उनका चरित्र सदियों बीत जाने के बाद भी आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। पुरानी पीढ़ी जहां श्रद्धा भाव से उनकी लीला का रसस्वादन लेती हैं वहीं नई पीढ़ी उनके चरित्र से प्रेरणा लेने का प्रयास करती है। उन्होंने बताया कि इस बार पहली बार समिति की ओर से एक स्मारिका का प्रकाशन भी कराया जाएगा।

समिति के महामंत्री उअ दीपक मितल ने बताया कि गत वर्षों की भांति राजनगर रामलीला का मंचन इस वर्ष भी भव्य तरीके से किया जायेगा। इस बार भी रामलीला का मंचन हाईटेक तरीके से किया जा रहा है। पहली बार सीता जी के जन्म का भी मंचन होगा।



19 सितंबर को सती मोह, शिव विवाह तथा नारद मोह के प्रसंगों का मंचन किया जाएगा।

23 सितंबर को भगवान श्री राम की भव्य बारात पूरे राजनगर में निकाली जाएगी। विभिन्न सेक्टरों से होते हुए राजनगर सेक्टर 10 के चौराहे पर श्री राम जानकी विवाह उत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा, तथा कन्यादान की रस्म की अदायगी होगी। 2 अक्टूबर को दशहरा पर्व पर रावण दहन होगा। 13 तरीख को भरत मिलाप श्री राम राज्याभिषेक तथा भव्य आतिशबाजी होगी। उसके अगले दिन 4 अक्टूबर को कवि सम्मेलन के साथ श्री रामलीला महोत्सव का समापन होगा।

समिति के मेला प्रबन्धक एस एन अग्रवाल ने बताया कि मेले को आकर्षक बनाने के लिए तरह तरह के स्टाल लगाए जाएंगे तथा उच्च गुणवत्ता वाले खान-पान के स्टाल भी लगाए जा रहे हैं। बच्चों के लिए तरह

तरह के झूले तथा खेलने के स्टाल भी लगेगे।

इस मौके पर समिति के कोषाध्यक्ष आर के शर्मा, मुख्य संयोजक राकेश मिश्रा, पार्षद प्रवीण चौधरी, संस्थापक सदस्य नरेश सिंगल, संगठन मंत्री श्री अमरीश कुमार त्यागी व मुकेश मितल मुख सलाहकार अनिल कुमार, आर एन पाण्डेय, स्वागत अध्यक्ष योगेश गोयल, सुभाष शर्मा, राजीव मोहन, बृजमोहन सिंहल, दिनेश शर्मा, सुन्दर लाल यादव, जी.पी. अग्रवाल, के. पी. गुप्ता, मोतीलाल गर्ग, दीपक सिंघल, विनोद गोयल, मनीष वशिष्ठ, राजीव गुप्ता, प्रचार मंत्री रेखा अग्रवाल, सौरभ गर्ग, डा .आर के मितल, दीपककांत गुप्ता, आलोक मितल, जितेन्द्र रंधावा, मदन लाल हरित, आमप्रकाश भोला, गोल्डी सहगल, विजय लुम्बा, उअ डीके गोयल सहित राजनगर के अन्य कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भाजपा जिला एवं महानगर द्वारा नेहरू नगर स्थित कार्यालय पर मेरठ मंडल शिक्षक चुनाव की तैयारियों को लेकर संगठनात्मक कार्ययोजना बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का आयोजन भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व एवं जिलाध्यक्ष चैन पाल सिंह की प्रमुख उपस्थिति में किया गया। बैठक में बतौर मुख्य वक्ता भाजपा के क्षेत्रीय महामंत्री विकास अग्रवाल तथा बतौर अतिथि विधानपरिषद सदस्य (शिक्षक) श्रीवर्द्ध शर्मा शामिल हुए।

बतौर मुख्य वक्ता क्षेत्रीय महामंत्री विकास अग्रवाल ने कहा कि शिक्षक चुनाव भाजपा संगठन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि शिक्षक समाज विचारधारा को गहराई से समझता है। संगठन का उद्देश्य केवल जीत दर्ज करना नहीं बल्कि शिक्षा जगत को



राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना है। सभी कार्यकर्ता यदि जिम्मेदारी से बृथ स्तर तक मेहनत करें, तो भाजपा निश्चित रूप से इस चुनाव में रिकॉर्ड जीत दर्ज करेगी।

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि संगठन ने हमेशा शिक्षक चुनाव में अपनी सक्रिय भूमिका से बड़ी जीत दर्ज की है। पिछली बार भी भाजपा ने बड़े मार्जिन से विजय हासिल की थी। संगठन की यही अपेक्षा है कि कार्यकर्ता अभी से

शिक्षक मतदाताओं तक पहुंचकर वोट बनवाने की मुहिम को धरातल पर और अधिक मजबूत करें।

प्रत्येक शिक्षक मतदाता तक पहुंचने और संगठन की विचारधारा से उन्हें जोड़ने का संकल्प ही आगामी जीत की कुंजी है। बतौर अतिथि विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा ने कहा कि संगठन की सबसे बड़ी ताकत कार्यकर्ताओं की कार्यकुशलता और अनुभव है। यही समर्पण भाजपा की निरंतर विजय दिलाता आया है।



शिक्षक वर्ग की अपेक्षाओं को समझते हुए हमें बृथ स्तर तक संगठन की पकड़ और सशक्त करनी होगी। कार्यकर्ताओं का जोश और अनुशासन ही इस चुनाव की और सफल बनाएगा। जिलाध्यक्ष चैन पाल सिंह ने कहा कि शिक्षक चुनाव केवल एक राजनीतिक चुनाव नहीं बल्कि विचारधारा और शिक्षण समाज की आस्था का चुनाव है। कार्यकर्ता यदि एकजुट होकर शिक्षक मतदाताओं के बीच पहुंचें, तो निश्चित रूप से भाजपा

की पुनः ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित होगी। बैठक में शिक्षक चुनाव महानगर संयोजक बांबी त्यागी एवं सहस्रसंयोजक बिरजू पंडित द्वारा प्रस्तुत की गई चुनावी तैयारियों पर वित्तुत चर्चा करते हुए मंडल संयोजक संग वार्ता कर आवश्यक सुधार और रणनीतिक बिंदुओं को दुरुस्त किया गया। बैठक में अभियान के मंडल संयोजक एवं महानगर स्तर के अनेक पदाधिकारी व आगामी के सहयोगी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने बुलाई आपात बैठक

कहा- विकास कार्यों और जलभराव की समस्या पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लोनी। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने शुक्रवार को लोनी तहसील सभागार में आपात विभागीय बैठक बुलाई। बैठक में राजस्व, नगरपालिका, जल निगम, बिजली व पीडब्ल्यूडी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने लोनी में प्रस्तावित विकास कार्यों की समीक्षा कर सभी विभागों को समयबद्ध तरीके से काम पूरा करने के निर्देश दिए। दिल्ली-सहारनपुर मार्ग एवं अन्य स्थानों पर जलभराव की समस्या का युद्धस्तर पर निस्तारण करने के लिए नगरपालिका व जल निगम को संयुक्त रूप से कार्य करने के निर्देश। नगरपालिका में



सफाई व्यवस्था, कूड़ा उठाने और मशीनरी संचालन की निगरानी एसडीएम लोनी स्वयं करेंगे। विधायक ने कहा काम में अड़चन डालने वालों की रिपोर्ट शासन को भेजी जाए। बेहटा बंद फाटक की निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। विधायक ने कहा कि राजस्व, जल निगम, विद्युत व नगरपालिका



विभाग समन्वय से कार्य कर समयबद्ध समाधान निकालें। विद्युत विभाग को नवनिर्माणाधीन बिजली घरों और लाइनों के पृथकीकरण का कार्य शीघ्र पूरा करने को कहा गया, ताकि विद्युत कटौती की समस्या से जनता को राहत मिल सके। दिल्ली-सहारनपुर मार्ग को शीघ्र ही सुदृढ़ एवं सुगम बनाने का

आश्वासन दिया गया। विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा जनता की सुविधाओं से जुड़ा कोई भी कार्य लापरवाही या देरी से नहीं होना चाहिए। विकास कार्यों को तय समयसीमा में पूरा करना सभी विभागों की जिम्मेदारी है। जलभराव, बिजली और सफाई जैसी समस्याओं के

समाधान के लिए मैं खुद निगरानी करूंगा। विधायक ने साफ शब्दों में कहा यदि कोई विकास कार्यों में अड़चन डाल रहा है, हस्ताक्षर नहीं कर रहा है तो उसकी रिपोर्ट सीधे शासन को भेजी जाए। हिंसाहीन कार्यों को किसी भी कीमत पर रोका न जाये। इस दौरान बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी लोनी दीपक सिंघनवाल, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद लोनी के.के. मिश्र, पीडब्ल्यूडी से गुलाब सिंह, जल निगम से संजय सिंह, विद्युत विभाग से एस.डी.ओ. पंचम, अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड-2 व खंड-3, वरिष्ठ सफाई निरीक्षक लोनी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मां बेटी के मतभेद और प्यार की एक रात... दिल में उतर गया नाटक ‘कोई एक रात’



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। हिन्दी भवन समिति द्वारा आयोजित दो दिवसीय नाट्य समारोह में शुक्रवार अनुकृति कानपुर की दो महिला कलाकारों ने मां बेटी के रिश्ते का दिल को छू लेने वाले नाटक कोई एक रात का शानदार मंचन किया। लेखक अशोक सिंह के इस नाटक कोई एक रात का निर्देशन डा. ओमेन्द्र कुमार ने किया। यह कहानी है

एक माँ पूर्वा (संध्या सिंह) और बेटी सुमि (दीपिका सिंह) के बीच उस एक रात की, जिसमें बीते हुए वर्षों की टीस, समझौते और नाराजगी नजर आती है। नाटक उन दो पीढ़ियों की सोच, संघर्ष और जीवन मूल्यों के टकराव को दर्शाता है, जिनके रास्ते रंगमंच और फिल्मी दुनिया -से जुड़ते हैं लेकिन उनके अनुभव और रास्ते बिलकुल अलग हैं। माँ ने फिल्मों में



काम पाने के लिए अनगिनत समझौते किए। पहले एक काम के लिए, फिर दूसरे, फिर इस इंडस्ट्री में बने रहने के लिए, फिर अवॉर्ड्स के लिए और अंततः अपने स्टेटस और जीवनशैली को बनाए रखने के लिए। माँ मानती है कि यह दुनिया तभी कुछ देती है जब तुम बदले में कुछ देने को तैयार हो। वहीं बेटी थिएटर से जुड़ी है - वह आदर्शों पर विश्वास करती है, अपने आत्म सम्मान को सर्वोपरि मानती है।

वो माँ जैसे समझौते नहीं करती है। उसका मानना है कि थिएटर कभी उससे उसकी आत्मा नहीं मांगता, ना ही उसकी इज्जत की कीमत पर कुछ चाहता है। यह टकराव सिर्फ दो सोचों का नहीं, दो ज़िंदगियों का है - एक हकीकत से समझौता कर चुकी औरत, और दूसरी वो लड़की, जो खुद को बचाना चाहती है। नाटक में भावनात्मक ऊँच-नीच, कटु संवादों के बीच और अंत में रिश्तों की गांठें



खुलती हैं। जहाँ माँ-बेटी के बीच झगड़े, आरोप और नाराजगी है। वहीं कहीं न कहीं बेपनाह प्यार भी है, अपगपन भी है। माँ की तबियत बिगड़ती है तो बेटी उसका सिर अपनी गोद में रख उसे दिलासा देती है। सुमि की गोद में पूर्वा वो ममता महसूस करती है जो उसे कभी हासिल नहीं हुई। यह नाटक सिर्फ एक रात का संवाद नहीं, बल्कि सालों की चुपियों, अधूरे रिश्तों, और पीढ़ियों

के बीच के फासलों को उजागर करता है। माँ-बेटी के बीच झगड़े हैं, कटुता है, लेकिन उन सबके पीछे एक बहुत गहरा प्रेम और एक-दूसरे को बचाने की कोशिश भी है। इस रात के बाद माँ-बेटी के रिश्ते में एक नई समझ, एक नई गहराई जन्म लेती है। नाटक तब मोड़ लेता है जब बेटी बताती है कि वह थिएटर में मिले एक पेंटर से प्यार करने लगी है, एक पुरुष जो उससे 22 साल बड़ा है। उसका



नाम सुनकर माँ हतप्रभ रह जाती है। हूआखिर कौन है वह ? जिससे मां बेटी दोनों की ज़िंदगी में भूचाल सा आ जाता है ? दोनों कलाकारों संध्या और दीपिका ने अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। मंच व्यवस्था सम्राट यादव, आकाश, विजय, रोशन व वसीम को रही। संगीत विजय भास्कर और प्रकाश परिकल्पना कृष्णा सक्सेना की थी।

कार्यक्रम के अतिथि रहे पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी, हिंदुस्तान अखबार के ब्यूरो चीफ महकार सिंह, राज कौशिक, आर के जैन उपस्थित मुख्य रूप से रहे। इस मौके पर हिन्दी समिति के अध्यक्ष ललित जायसवाल एवं महासचिव सुभाष गर्ग ने कलाकारों को बुके और स्मृति चिन्ह देकर बधाई दी एवं सभी अतिथियों का स्वागत किया बड़ी संख्या में कला प्रेमी दर्शक मौजूद रहे।

विचार-विमर्श

संघ को लेकर भ्रांतियां फैलने के लिए जिम्मेदार कौन और सजग कैसे रहना चाहिए ?

जो लोग पहले से दीक्षित नहीं है, जो लोग पहले से प्रशिक्षित नहीं है, जो संघ को गहराई से नहीं जानते, वो तो संघ के शीर्ष अधिकारी के विषय में शंका करने लगे हैं। अरे ये मुसलमानों का एजेंट है। अरे ये गांधी का नाम बिगाड़ के लोग कहते हैं ये गांधी का चेला है क्या ? अरे ये क्या हो गया ? सब कह रहे हैं। तो संघ का नाम धूमिल हो रहा है।



प्रो रामेश्वर मिश्र पंकज

इतना यशस्वी, इतना तेजस्वी संगठन, जिसमें लाखों लोगों ने केवल राष्ट्रभक्ति के भाव से जीवन दिया। ये ठीक है कि उन्होंने राजनीति इसके पहले कभी नहीं की। बहुत से लोगों ने कहा था कि अंग्रेजों को भगाने में संघ ने पहल नहीं की। तो अंग्रेजों को भगाने का वास्तविक काम तो एक ही प्रकार के लोगों ने किया जो क्रांतिकारी थे। अंग्रेजों को भगाने का एक ही तरीका था, उनको मारो, जितना हो सके। हत्या के डर से, केवल वध के डर से अंग्रेज गए हैं। रिकॉर्ड है। 1८57 में हत्या का बहाना बना के आए कि नाराज हिन्दू सैनिक सारे यूरोपियनों को मारे डाल रहे हैं इसलिए ब्रिटिश स्टेट इंटरवीन करेगा। पहली बार 1858 में ब्रिटिश राज्य ने हस्तक्षेप किया और फिर जब 1945 में लगा कि आजाद हिंद फौज भी आ सकती है, उसका बहुत सम्मान है और मुकदमा चल रहा है और भारतीय नौसेना में भी रोष क्षोभ हो गया है और सैनिक अधिकारियों ने कहा कि हम साथ नहीं देंगे तो इनकी लगा कि हम मार डाले जाएंगे और इस बार हमारा

कोई साथ नहीं देगा तो भाग गए। भारत से अंग्रेज अपनी हत्या के डर से गए हैं, वध के डर से। तो असली देशभक्त वो है जिसने अंग्रेजों की हत्या की, अंग्रेजों को मारा। यहाँ अंग्रेज जाति से मतलब नहीं है। आततायी, अजनबी, बाहरी, अधर्मी, पापी फिरंगी जो भारत में लूटने आया, छीनने आया, उसको जिसने मारा वही देशभक्त है। केवल क्रांतिकारी देशभक्त है। साधारण अंग्रेजों से हमें कभी विरोध नहीं रहा है।

संघ 1925 में बन गया था। उसने कोई क्रांतिकारी नहीं पैदा किये। परन्तु क्रांतिकारियों की सहायता बहुत की डॉक्टर हेडगेवार ने। लेकिन कोई क्रांतिकारी नहीं निकला संघ से। 1925 से 1947 तक एक भी क्रांतिकारी संघ से नहीं निकला। इसका मतलब थोड़ा माइलड किस्म का, मुदु किस्म का संगठन है। धीरे-धीरे बढ़ा। इसके बाद भी राष्ट्रीय राजनीति में नहीं आए। जब संघ पर प्रतिबंध लगाया गया तो श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा-ह्छ और महाराज, पाटी बना लो’, तो परम पूजनीय गुरु जी ने सहमति दे दी कि संघ के स्वयंसेवक राजनीति में जा सकते हैं। संपूर्ण क्रांति आंदोलन में भी बाला साहब देवरस जी ने अनुमति दी कि हां, संघ के स्वयंसेवक संपूर्ण क्रांति आंदोलन में भाग ले सकते हैं।

लेकिन सीधे तो उसने कोई राजनीति नहीं की। और सीधे कोई बहुत बड़ा आध्यात्मिक योगी भी नहीं पैदा हुआ गुरू जी के अतिरिक्त। संघ से कोई अनुठा अद्वितीय दार्शनिक भी नहीं निकला अरविन्द जैसा। तो अभी तक तो केवल राष्ट्र भक्ति का भावना के प्रसार के लिए ही काम किया है संघ ने। बाकी तो जो रेडक्रॉस आदि संस्थाएं करती हैं, वहीं संघ भी करने लगा है। बाढ़ है, सूखा है, कोई और आपदा है। यह



तो ऐसा काम है आप करो या नहीं करो, हो ही जायेगा। पूर्त कर्म अच्छी चीज है, उसका भी यश तो मिला है। परन्तु संघ का मूल श्रेय यह है कि उसने सनातन धर्म की भावना को फैलाया, सनातन धर्म की चेतना को जागृत रखा। सनातन धर्म भारत में अनादि काल से है। सनातन धर्म का रक्षक संघ नहीं है लेकिन सनातन धर्म पर आने वाले किसी संकट से लड़ने का उसका संकल्प दिखता था और सनातन धर्म के प्रति उसने प्रेरणा दी। सनातन धर्म के प्रति भाव जगाया। अब तो वही भाव खो रहे हैं। अगर आप सनातन धर्म के प्रति भाव ही खो देते हो, तो आप एक सामान्य नागरिक संगठन ही हो गये। विशेषता तो केवल आकार की बची कि आपका आकार बहुत बड़ा है। पर भाव तो फिर सामान्य ही हो गया।

संघ की उपयोगिता क्या रहेगी ?

जो कहता है कि केवल हमारे अल्लाह और उनके आखरी रसूल की इबादत करो तभी तुम जीने लायक हो। नहीं तो हम तुमको मार डालेंगे। और मारना भी कैसा ? पैशाचिक बर्बरता, बलात्कार,

नृशंसता, आगजनी, घर जला देना, अथवा जो घृणित पशु की तरह झूठ बोलता है और इतना दुस्साहस करता है, ईश्वर का निरादर करता है और क्रिश्चियन बनके कहता है कि सिर्फ हमारे गॉड सच्चे हैं, बाकी सारे तुम्हारे गॉड जो भी हैं, फॉल्स है, झूठे है जबकि हम तो उसका उपहास भी नहीं उड़ाते भले वो दयनीय है और वे हमारे गॉड को फाल्स गॉड कहते है, उनके प्रति सजगता जगाना, यही एकमात्र संघ का योगदान था। अगर आप उसी योगदान से रहित हो रहे हैं तो संघ की उपयोगिता क्या है भारत में ? संघ की उपयोगिता के प्रति, संघ के यश के प्रति, संघ के चरित्र के प्रति, संघ की भावी भूमिका के प्रति संदेह पैदा कर रहे हैं माननीय। तो ये बहुत चिंता की बात है। इतना ही हमें कहना है। वो कितनी हानि करेगे ? हिंदू समाज की हानि तो नहीं होगी। हिंदू समाज आगे बढ़ गया है। हिंदू समाज की हानि की सामर्थ्य किसी में नहीं है। क्योंकि हर हिंदू कहता है सुबह ही उठ कर कि पृथ्वी विष्णु पत्नी है। तो विष्णु पत्नी को कौन हानि पहुँचा सकता है ? हम तो अपनी धरती को विष्णु पत्नी मानते हैं। तो हिंदू समाज की कोई अन्य हानि नहीं कर सकता। हिंदू समाज की कोई हानि मान्यवर जी नहीं कर सकते। संघ तो करेगा ही नहीं। संघ तो उसकी सेवा के लिए है। हिंदू समाज की कोई हानि करने की सामर्थ्य किन्ही जी में नहीं है लेकिन संघ की आप क्या हानि कर रहे है, यह भी कृपया विचार कीजिए।

किसी भी संगठन या पंथ के संस्थापक के विचारों से संगठन या सम्प्रदाय अभिन्न होता है। परन्तु बाद के आचार्य या शीर्ष अधिकारी मूल विचारों से भिन्न या दूर चले जाये तो उनकी दृष्टि से संगठन की दृष्टि भिन्न हो जाती है।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी , एक विशेष समाधि अवस्था में , शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर , भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते, तो उनकी गर्दन बायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक,एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था।इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात् देखा गावा, भगवान् राम का दिव्य जीवन)

भाग 34

गतांक से आगे

धनुर्याग का अभिप्राय यह है कि अस्त्रों-शस्त्रों की शिक्षा में हम परिणत हो जाएँ,हमारे यहाँ महामुनि विश्वामित्र महाराज इस धनुर्याग में बड़े.पारायण थे

भाग 34

गतांक से आगे

धनुर्याग का अभिप्राय यह है कि अस्त्रों-शस्त्रों की शिक्षा में हम परिणत हो जाएँ,हमारे यहाँ महामुनि विश्वामित्र महाराज इस धनुर्याग में बड़े.पारायण थे

भाग 34

गतांक से आगे

मैं अपने मित्रों से इस बात की तारीफ सुनता था कि भारतीय जनता पार्टी का जो नया भवन बना है, उसका पुस्तकालय देखने लायक है। वहां हजारों साहित्यिक पुस्तकें रखी हुई हैं। भाजपा के विधायक और पूर्व मंत्री अजय चंद्रकार के प्रयासों से यह पुस्तकालय आकर ले कर सका। पिछले दिनों ऐसा संयोग बना कि कुछ मित्रों के साथ वहाँ गया और लाइब्रेरी देखकर दंग रह गया। मेरे साथ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा,



गिरीश पंकज

डॉ. चितरंजन कर, माणिक विश्वकर्मा नवरंग और बलदाऊ साहू भी थे। इतनी सुव्यवस्थित लाइब्रेरी किसी राजनीतिक दल के भवन में स्थापित हो, यह हम सब की कल्पना से परे बात थी। अब कभी काग्रेस भवन जाकर उनकी लाइब्रेरी भी देखूंगा कि क्या वहाँ भी इतनी भव्य लाइब्रेरी बनी है, जहां हजारों कीमती किताबें रखी हुई हों। भाजपा की लाइब्रेरी में तरह-तरह का वैचारिक साहित्य पढ़ने को मिलेगा। संघ की अपनी विचारधारा का साहित्य तो वहां है ही। जैसे दिनदहाल उपाध्याय जी का समग्र चिंतन, गुरु जी का साहित्य आदि इसके अलावा दूसरी विचारधाराओं की किताबें भी वहां मैंने देखी। नक्सलवाद,साम्यवाद की पुस्तकें भी नजर आईं। छत्तीसगढ़ी साहित्य संस्कृति से जुड़ी किताबें भी हैं और देश के अनेक प्रख्यात लेखकों की पुस्तकों का भी बहुत सुंदर संग्रह है। अनेक साहित्यकारों की रचनावर्लियाँ भी मैंने देखी। सबसे सुखद रहा



हरिशंकर परसाई रचनावली देखना। परसाई जी के बारे में सबको पता है कि वह संघ और भाजपा के आलोचक रहे। उनकी रचनावली वहां पुस्तकालय में देखकर अच्छा लगा।मुक्तिबोध रचनावली भी दिखाई दी। यशपाल, दिनकर, प्रमोद वर्मा रचनावली भी रखी

हुई है। हमें पुस्तकालय दिखाने के प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज और प्रदेश सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी ले गए थे। मैंने मुस्कुराते हुए कहा, ‘यहां एक रचनावली नहीं दिखाई दे रही है’। प्रीतेश ने मेरी ओर देखा तो पास खड़े नवरंग जी ने कहा, रगिरीश

हूई है। हमें पुस्तकालय दिखाने के प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज और प्रदेश सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी ले गए थे। मैंने मुस्कुराते हुए कहा, ‘यहां एक रचनावली नहीं दिखाई दे रही है’। प्रीतेश ने मेरी ओर देखा तो पास खड़े नवरंग जी ने कहा, रगिरीश



यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

नेपाल में आजादी की आवाज क्यों बनी गुस्से की लहर?

लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी को मौलिक अधिकार के रूप में परिभाषित किया गया है, जो हर नागरिक को बिना किसी दबाव और भेदभाव के अपनी राय एवं विचार व्यक्त करने की अनुमति देता है। इसमें बोलना, लिखना, कलाकारी और इंटरनेट का उपयोग करना जैसे विभिन्न रूप शामिल हैं। हालांकि, यह अधिकार असीमित नहीं है और दूसरों के अधिकारों का उल्लंघन करने, भेदभाव तथा हिंसा या नफरत को बढ़ावा देने जैसी गतिविधियों की सूरत में यह कानूनी तौर पर बंदिश के दायरे में आ सकता है। नेपाल में जो जन आक्रोश फूटा है, वह सोशल मीडिया पर पाबंदी और उससे अभिव्यक्ति की आजादी प्रभावित होने से ही प्रेरित है। वहां सड़कों पर लोगों के गुस्से की आग इस कदर भड़की कि इसकी लपटें प्रधानमंत्री आवास तथा राष्ट्रपति भवन और संसद भवन तक जा पहुंची। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच हिंसक झड़पों में कई लोगों की जान भी चली गई। सवाल है कि आखिर नेपाल में ऐसे हालात क्यों बनने दिए गए ? समय रहते प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उन्हें विश्वास में लेने के प्रभावी प्रयास क्यों नहीं किए गए ? वैसे यह पहली बार नहीं है, जब किसी देश ने सोशल मीडिया पर पाबंदी लगाई हो। इससे पहले भी कई देश ऐसा कर चुके हैं, भले ही कारण अलग-अलग रहे हों। वर्ष 2009 में चीन के शिनजियांग प्रांत में हुए दंगों के बाद वहां की सरकार ने फेसबुक, एक्स और गूगल जैसे मंचों पर प्रतिबंध लगा दिया था। ऐसा इसलिए किया गया, ताकि देश में सोशल मीडिया और इंटरनेट पर सरकार विरोधी सामग्री के प्रसार पर रोक लगाई जा सके। ईरान में भी वर्ष 2009 से सोशल मीडिया मंचों पर पाबंदी लगी है। इसी तरह तुर्किये ने भी वर्ष 2014 में आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई और सुरक्षा के नाम पर सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि वर्ष 2016 में लोगों के विरोध के कारण यह पाबंदी हटानी पड़ी।मिस्र में पर्थ 2011 में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए, जिसके बाद यहां सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया गया। यहीं नहीं पाकिस्तान में भी इस तरह के आंशिक प्रयास होते रहे हैं। इसमें दोराय नहीं कि सोशल मीडिया पर बिना किसी टोस वजह से पूर्ण पाबंदी लगाने से अभिव्यक्ति की आजादी प्रभावित होती है। साथ ही आमजन के हितों पर भी गहरा असर पड़ता है। आज के दौर में सोशल मीडिया न केवल सूचना के प्रसार का एक बड़ा माध्यम बन गया है, बल्कि कुछ लोगों की आजीविका भी इस पर निर्भर करती है। मसलन, सोशल मीडिया पर विभिन्न तरह के वीडियो डालने और उनसे होने वाली कमाई। बढ़ती बेरोजगारी की वजह से कई लोगों ने इसे अपना व्यवसाय बना लिया है। ऐसे में अगर सरकार अचानक सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दे, तो जन आक्रोश की लहर उठना स्वाभाविक है। यह बात भी सच है कि सोशल मीडिया पर अनुचित सामग्री का दायरा बढ़ रहा है, इसलिए इसे विनियमित किए जाने की जरूरत महसूस की जा रही है।

गौर फरमाइएगा


 प्रस्तुति : राकेश जैन जी

गुलामी के दिन थे। प्रयाग में कुम्भ मेला चल रहा था। एक अंग्रेज अपने दिम्भाषिये के साथ वहाँ आया। गंगा के किनारे एकत्रित अपार जन समूह को देख अंग्रेज चकरा गया। उसने दिम्भाषिये से पूछा, ‘इतने लोग यहाँ क्यों इकट्ठा हुए हैं ?’

दिम्भाषिया बोला, ‘गंगा स्नान के लिये आये हैं’ सर।’

अंग्रेज बोला, ‘गंगा तो यहां रोज ही बहती है फिर आज ही इतनी भीड़ क्यों इकट्ठा है ?’

दिम्भाषीया : – ‘सर आज इनका कोई मुख्य स्नान पर्व होगा।’

अंग्रेज : –‘ पता करो कौन सा पर्व है ? ’

दिम्भाषिये ने एक आदमी से पूछा तो पता चला कि आज बसंत पंचमी है।

अंग्रेज : – ‘इतने सारे लोगों को एक साथ कैसे मालूम हुआ कि आज ही बसंत पंचमी है ?’

दिम्भाषिये ने जब लोगों से पुनः इस बारे में पूछा तो एक ने जब से एक जंत्री निकाल कर दिया और बोला इसमें हमारे सभी तिथि त्योहारों की जानकारी है।

अंग्रेज अपनी आगे की यात्रा रथगित कर जंत्री लिखने वाले के घर पहुँचा। एक दड़बानुमा अंधेरा कमरा, कंधे पर लाल फटा हुआ गमछा, खुली पीट, मैली फूटेली धोती पहने एक व्यक्ति दीपक की मद्धिम रोशनी में कुछ लिख रहा था। पूछने पर पता चला कि वो एक गरीब ब्राह्मण था जो जंत्री और पंचांग लिखकर परिवार का पेट भरता था।

अंग्रेज ने अपने वायसराय को अगले ही क्षण एक पत्र लिखा : – ‘इंडिया पर सदा के लिए शासन करना है तो सर्वप्रथम ब्राह्मणों का समूल विनाश करना होगा सर क्योंकि जब एक दरिद्र और भूँख से जर्जर ब्राह्मण इतनी क्षमता रखता है कि दो चार लाख लोगों को कभी भी इकट्ठा कर सकता है तो सक्षम ब्राह्मण क्या कर सकते हैं, गहराई से विचार कीजिये सर।’

इसी युक्ति पर आज भी सत्ता की चाह रखने वाले चल रहे हैं, ‘अबाध शासन करना है तो बुद्धिजीवियों और राष्ट्रभक्तों का समूल उन्मूलन करना ही होगा।’

हिंदी दिल से दिलों को जोड़ती है

धर्म, जाति, प्रांत के बंधनों को तोड़ती है। हिंदी है ये हिंदी, दिल से दिलों को जोड़ती है।। कश्मीर से कन्याकुमारी। अरुणाचल से गुजरात तक।। प्राण है ये देश का रग-रग में दोड़ती है। हिंदी है ये हिंदी दिल से दिलों को जोड़ती है...

महादेवी, निराला पंत की भाषा। प्रसाद, दिनकर,प्रेमचंद की भाषा।। क,ख,ग, की चुनरिया भारत माता ओढ़ती है।। हिंदी है ये हिंदी दिल से दिलों को जोड़ती है...

संपर्क व संचार की भाषा। व्यवहार और प्यार की भाषा।। सारे देश की संस्कृति को आपस में जोड़ती है। हिंदी है यह हिंदी दिल से दिलों को जोड़ती है।।



डॉ आनंद शर्मा

उप प्रधानाचार्य

महर्षि दयानंद विद्यापीठ

टेक्नोलॉजी के सहारे आकार लेगा नया यूपी

यूपी बनेगा एआई और डीप टेक का
ग्लोबल हब : योगी का विजन



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अगले 22 वर्षों में देश और दुनिया के लिए एक टेक्नोलॉजी पावरहाउस के रूप में उभरने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विजन 'विकसित यूपी @2047' प्रदेश को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डीप टेक्नोलॉजी और डिजिटल इनोवेशन का वैश्विक केंद्र बनाने का है।

उनका मानना है कि तकनीक के सहारे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाकर न सिर्फ युवाओं को रोजगार मिलेगा बल्कि यूपी भारत के डिजिटल भविष्य की धुरी बनेगा। योगी सरकार का स्पष्ट मत है कि यूपी का नया अवतार तकनीक और नवाचार से ही बनेगा। साथ ही प्रदेश को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने का भी माध्यम बनेगा।

बीते 8 सालों में डिजिटल बदलाव

2017 से पहले की तस्वीर बेहद निराशाजनक थी। साल 2015-16 में प्रदेश के विद्यालयों में कम्प्यूटर की उपलब्धता मात्र 13.3 प्रतिशत थी। लेकिन बीते साढ़े आठ सालों में इस स्थिति में ऐतिहासिक सुधार हुआ। 2023-24 तक यह आंकड़ा बढ़कर 40.2 प्रतिशत तक पहुंच गया। आज प्रदेश के 25,790 परिषदीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लासेज, 880 ब्लॉक रिसोर्स सेंटरों में आईसीटी लैब्स और शिक्षकों

के लिए 2.61 लाख से अधिक टैबलेट उपलब्ध हैं। वहीं स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत करीब 50 लाख युवाओं को टैबलेट-स्मार्टफोन वितरित किए गए हैं, जबकि 2 करोड़ युवाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य तय किया गया है। यह पहल डिजिटल शिक्षा और स्किलड वर्कफोर्स तैयार करने की दिशा में बड़ा कदम है।

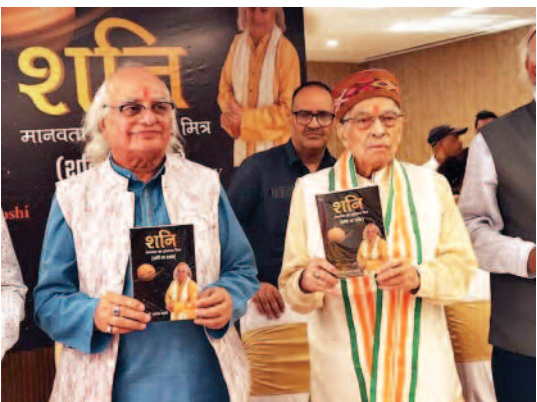
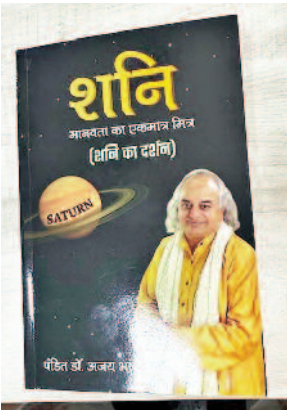
2030 तक डिजिटल प्रदेश का खाका

मुख्यमंत्री योगी ने 2030 तक यूपी को टेक्नोलॉजी हब बनाने का रोडमैप तैयार किया है। इसमें कई महत्वाकांक्षी लक्ष्य शामिल हैं। लखनऊ और कानपुर में बनने वाली एआई सिटी प्रदेश को वैश्विक रिसर्च और इनोवेशन का हब बनाएगी। एनसीआर, लखनऊ और नोएडा को ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCCs) के लिए देश के शीर्ष गंतव्य के रूप में विकसित किया जाएगा। साथ ही, हर मंडल में इनोवेशन इनक्यूबेटर स्थापित होंगे, जिससे जमीनी स्तर के युवाओं को अपने इनोवेशन को आगे ले जाने का मौका मिलेगा।

इसके अलावा, यूपी सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में देश का अग्रणी केंद्र बनने की दिशा में काम कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि एआई, डीप टेक्नोलॉजी और उभरते सेक्टर ही 6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य तक पहुंचने की सबसे बड़ी ताकत बनेंगे।

शनि डर नहीं, मानवता का सबसे बड़ा मित्र है: डॉ. भांबी

‘शनि: मानवता का एकमात्र मित्र’ का भव्य लोकार्पण



- अध्यात्म जगत के लिए मील का पत्थर है यह पुस्तक : डॉ. मुरली मनोहर जोशी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पंडित (डॉ.) अजय भांबी की एक नई पुस्तक 'शनि: मानवता का एकमात्र मित्र' का भव्य लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय डॉ. मुरली मनोहर जोशी (पूर्व केन्द्रीय मंत्री) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में साहित्य, अध्यात्म, योग, चिकित्सा और जीवन-दर्शन से जुड़े अनेक विद्वानों, साधकों, समाजसेवियों तथा गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया।



कार्यक्रम का संचालन अत्यंत सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ और उपस्थित लोगों ने पुस्तक की विषयवस्तु की गहराई तथा सामाजिक उपयोगिता की सराहना की। अंत में सभी अतिथियों के लिए हाई-टी का प्रबंध किया गया था।

पुस्तक का उद्देश्य शनि देव से जुड़े अंधविश्वासों और भ्रांतियों को दूर कर इसे जीवन की सकारात्मक ऊर्जा, आध्यात्मिक मार्गदर्शन और मानवता के व्यापक हित में प्रस्तुत करना है। पंडित (डॉ.) अजय भांबी, जो कि 40 वर्षों से अधिक अनुभव

वाले विद्वान, मेडिटेशन विशेषज्ञ और 'हिमालयन परंपरा' के साधक हैं, ने अपनी इस पुस्तक में शनि से संबंधित दार्शनिक, आध्यात्मिक और व्यावहारिक पहलुओं का विश्लेषण प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया कि शनि को प्रायः भय और कठिनाई का



प्रतीक माना जाता है, जबकि वास्तविकता में यह मानवता का सबसे बड़ा मित्र है। उनकी लेखनी में सरल, वैज्ञानिक और जीवनोपयोगी दृष्टिकोण देखने को मिलता है, जो विशेष रूप से आधुनिक जीवनशैली में संतुलन, मानसिक शांति और आत्मिक शक्ति

प्रदान कर सकता है। डॉ. भांबी की अंतरराष्ट्रीय पहचान उन्हें राजनीति, खेल, उद्योग और सांस्कृतिक जगत के प्रमुख व्यक्तित्वों तक ले गई है, जहाँ उनकी रचनाएँ जीवन दर्शन और भविष्यवाणी का अद्भुत समन्वय मानी जाती हैं।

एन.आई.एच. का संकल्प...चलो गांव की ओर

स्वस्थ गांव-स्वस्थ भारत से ही होगा देश का उद्धार: डॉ. विनोद कश्यप!



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुजफ्फरनगर। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉलिस्टिक हेल्थ (एन.आई.एच.) का 7वां स्थापना दिवस 'मेरा वजूद फाउंडेशन' के सहयोग से होली चाइल्ड पब्लिक इण्टर कॉलेज, जड़ौदा, (मुजफ्फरनगर - उत्तर प्रदेश) के सभागार में आचार्य डॉ. चन्द्रशेखर शास्त्री, डॉ. आर.एस. डवांस, डॉ. राहुल बंसल, डॉ. पी.के. चौहान, एडवोकेट पवन दूबे, एन.आई.एच.चेयरमैन डॉ. विनोद कश्यप, चेयरमैन - मेरा वजूद फाउंडेशन प्रवेन्द्र दहिया, संजीव



अग्रवाल, डॉ. कीर्तिवर्धन अग्रवाल, डॉ. राजीव कुमार, अनिल कुमार शास्त्री, हेमन्त चौधरी, आदित्य दहिया द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर योग - नैचुरोपैथी के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वाले व्यक्तियों को अवॉर्ड सर्टिफिकेट व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। डॉ. विनोद कश्यप ने कहा कि यह कार्यक्रम 'स्वस्थ गांव - स्वस्थ भारत के संकल्प के साथ 'चलो गांव की ओर' थीम पर आधारित है। योग को शहर से गांव की ओर लेकर जाना है! स्वस्थ गांव और स्वस्थ भारत के

साथ नागरिकों को जागरूक करने का यह अभियान हम सभी ने मिलकर चलाना है, क्योंकि योग ही जीवन का आधार है। डॉ. आर.एस. डवांस ने कहा कि एन. आई. एच. पिछले 7 वर्षों से योग, नेचुरोपैथी तथा स्वास्थ्य जागरूकता के लिए निरन्तर कार्य कर रहा है। एन. आई. एच. देश का एकमात्र संगठन है जिसने पिछले 7 वर्षों में 60 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय सेमिनार कॉन्फ्रेंस आयोजित किए हैं। देश के अलग-अलग राज्यों में प्रति माह सेमिनार /कॉन्फ्रेंस का सिलसिला अभी तक जारी है।

डॉ. आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री ने योग की उपयोगिता को समझाते हुए ग्राम स्तर तक ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत में गुरुकुल के माध्यम से योग प्रत्येक घर तक पहुंचा हुआ था। एन. आई. एच. द्वारा यह परंपरा पुनः आरम्भ की जा रही है इसके लिए मैं डॉ.विनोद कश्यप व उनकी टीम को बधाई देता हूं। डॉ.विनोद कश्यप पिछले 35 वर्षों से निरंतर योग - नेचुरोपैथी के प्रचार - प्रसार में कार्यरत हैं।

डॉ. पी.के. चौहान ने कहा कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग के माध्यम से योग एवं नेचुरोपैथी में पाठ्यक्रम आरम्भ किये गये हैं जिनसे इन विषयों में और अधिक जानकारी पाने वाले छात्रों का बौद्धिक एवं शैक्षणिक स्तर बढ़ रहा है। एडवोकेट पवन दूबे ने एन.आई.एच. के 7वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम की बधाई दी।

सुभारती युनिवर्सिटी में कम्युनिटी मेडिसिन के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ.राहुल बंसल ने अपने सत्र में बताया कि योग - नेचुरोपैथी के साथ साथ हॉलिस्टिक हेल्थ स्वास्थ्य का सम्पूर्ण समाधान है।



उन्होंने कहा कि एक मॉडर्न मेडिसिन का चिकित्सक होते हुए पिछले 50 वर्षों में मैंने आज तक एलोपैथी की कोई भी मेडिसिन का सेवन नहीं किया है। एलोपैथी का प्रयोग हमें केवल इमरजेंसी में ही करना चाहिए।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. राजीव कुमार ने किया। ग्रीन लैंड जूनियर हाई स्कूल और होली चाइल्ड पब्लिक इण्टर कॉलेज और योगाचार्या सीमा सिंह के विद्यार्थियों ने योग का शानदार प्रदर्शन किया। डॉ. कीर्तिवर्धन, संजीव अग्रवाल एवं प्रवेन्द्र दहिया ने आये हुए अतिथियों एवं कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले सम्मानित जनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक मनुष्य स्वस्थ रहना चाहता है तो उसे उत्तम दिनचर्या, योग एवं नैचुरोपैथी का उपयोग करके वे स्वस्थ रह सकते हैं।

नैचुरोपैथी एवं योग के क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाले सुरेन्द्र मान, सहदेव आर्य, सोनिया लुथरा, डॉ. धिरेन्द्र गुप्ता, डॉ. हबीब रहमान, डॉ. सुनील राजपूत, आचार्या धीरज, योगाचार्य विश्वास त्यागी, डॉ. नीलम गोस्वामी, डॉ.लीना तोमर, देवेन्द्र राणा, अनुज शर्मा, संजीव जलोत्रा, कुलदीप मित्तल, सीमा सिंह, डॉ. यशपाल सिंह, योगाचार्य सतकुमार और लगभग 60 से अधिक लोगों को संस्था की ओर से सम्मानित किया गया।

प्रदेश की सहकारी गन्ना समितियों के अध्यक्षों एवं चीनी मिल समितियों के उपाध्यक्षों की बैठक आयोजित गन्ना व चीनी उत्पादन के साथ-साथ एथनॉल व शीरा उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर विगत आठ वर्षों में हुआ रिकॉर्ड रु.2,89,445 करोड़ गन्ना मूल्य का भुगतान, जो विगत 22 वर्षों में हुए रु.2,13,520 करोड़ भुगतान से भी रु.75,925 करोड़ अधिक



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

शाहजहाँपुर। प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुक्रम श्रोतृशाला, गन्ना शोध परिषद, शाहजहाँपुर में मा. मंत्री, गन्ना विकास एवं चीनी मिलें, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में प्रदेश की सहकारी गन्ना समितियों के अध्यक्षों एवं चीनी मिल समितियों के उपाध्यक्षों की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में मा. मंत्री जी, मा. राज्य मंत्री, गन्ना एवं चीनी मिलें, उत्तर प्रदेश, आयुक्त, गन्ना एवं चीनी तथा निबन्धक सहकारी गन्ना एवं चीनी मिल समितियों, प्रबन्ध निदेशक सहकारी चीनी मिल संघ लि. उ.प्र., के साथ गन्ना समितियों के अध्यक्षगण, चीनी मिल समितियों के उपाध्यक्षगण व गन्ना विकास विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी द्वारा गन्ना एवं चीनी उत्पादन के साथ-साथ एथनॉल एवं शीरा उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सभी किसान भाईयों, समितियों के नवनिर्वाचित अध्यक्षों, उपाध्यक्षों एवं प्रतिनिधियों को बधाई दी है। उन्होंने बताया कि चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग प्रदेश के लगभग 46.50 लाख गन्ना किसानों एवं उनके 2.30 करोड़ परिवारों की आजीविका व 10 लाख व्यक्तियों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराकर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं आजीविका संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।



मंत्री जी द्वारा यह भी बताया गया कि विगत 08 वर्षों में रु.2,89,445 करोड़ गन्ना मूल्य का रिकॉर्ड भुगतान किया जा चुका है, जो विगत 22 वर्षों में हुए रु. 2,13,520 करोड़ भुगतान से भी रु.75,925 करोड़ अधिक है। वर्ष 2017 से पूर्व जहाँ कुल एथनॉल का उत्पादन 42 करोड़ लीटर प्रतिवर्ष तक सीमित था, वहीं आज 180 करोड़ लीटर एथनॉल का उत्पादन कर आयल कम्पनियों को आपूर्ति किया जा रहा है, जिससे तेल के आयात पर निर्भरता कम हुई है। विगत 08 वर्षों में चीनी उद्योग में रु.6,924 करोड़ के निवेश से उद्योग की गति मिली है। प्रदेश की कुल जी.डी.पी. में गन्ने का योगदान 4.19 प्रतिशत तथा गन्ना एवं चीनी का सम्मिलित योगदान 8.45 प्रतिशत है।



गन्ना राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार द्वारा यह बताया गया कि प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री जी द्वारा की गई अपेक्षानुक्रम में गन्ना समितियाँ अपने भवनों का जीर्णोद्धार करने, समितियों के सहयोग से संचालित विद्यालयों व महाविद्यालयों का सुदृढ़ीकरण व उच्चीकरण कराने, शिक्षा संस्कृतिको बढ़ावा देने हेतु नये विद्यालयों व महाविद्यालयों की स्थापना कराने तथा समितियों के सहयोग से संचालित चिकित्सालयों को सुदृढ़ कर उनमें चिकित्सीय सुविधाओं के सुधार व बढ़ोतरी हेतु अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करें। महिला सशक्तीकरण हेतु किये जा रहे प्रयासों में गन्ना विभाग द्वारा नवाचार के रूप में गन्ना सीडलिंग उत्पादन हेतु 3000 महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन करके एक सार्थक पहल की गई है, जिसमें लगभग 58,000 महिलायें 08 से 10 करोड़ गन्ना सीडलिंग प्रतिवर्ष तैयार कर उसकी बिक्री से धनार्जन का कार्य कर रही हैं। बरेली जिले की अन्नपूर्णा व वैष्णवी, बिजनौर जिले की यदु एवं मुजफ्फरनगर जिले की गंगा महिला स्वयं सहायता समूह 10 से 15 लाख रुपए प्रतिवर्ष का व्यवसाय कर रहे हैं, जिससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। वहीं गन्ना फसल में रोग एवं कीटों की रोकथाम एवं अच्छी पैदावार हेतु ड्रोन् ड्रोन बीडी की सेवायें लेकर उर्वरकों एवं कीटनाशक रसायनों का 350 ड्रोन् से छिड़काव भी कराया जा रहा है। गन्ना आयुक्त द्वारा लाभांश वितरण के विषय में विस्तृत रूप से बताया गया कि समितियों की ऊर्जावान सामान्य निकाय एवं प्रबन्ध

कमेटी एक कदम आगे बढ़कर गन्ना समितियों के लाभांश वितरण हेतु कार्यवाही करें तथा अधिनियम, नियमावली एवं समिति उपविधियों में दी गयी व्यवस्था के अनुसार लाभांश का वितरण कर सदस्य कृषकों को लाभान्वित करें। समितियों के सुदृढ़ीकरण हेतु गन्ना विकास विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयासों में भारत सरकार के संकल्प एवं शासन की मंशानुरूप सहकार से समृद्धि को साकार करने हेतु बहु-उद्देशीय समिति के रूप में कार्य करते हुए सदस्य कृषकों की उन्नति के लिये हर सम्भव प्रयास करने की अपील की गई है, जिसके अन्तर्गत हमारी समितियाँ प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र, जन सेवा केन्द्र, पेट्रोल पम्प, एल.पी.जी. आउटलेट, गन्ने से सम्बन्धित कुटीर उद्योग, कृषक प्रशिक्षण को बढ़ावा एवं राष्ट्रीय स्तर की समितियों की सदस्यता प्राप्त कर बहुआयामी बन सकती हैं। इसी क्रम में आयुक्त द्वारा यह भी बताया गया है कि गन्ने की उत्पादकता बढ़ाने हेतु प्रजाति बदलाव एवं बीज बदलाव कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं, प्रत्येक समिति क्षेत्र के कृषकों हेतु मुदा स्वास्थ्य परीक्षण की कार्ययोजना लागू की जाये, उत्तम गन्ना बीज की उपलब्धता हेतु प्रत्येक समिति क्षेत्र में कम से कम एक उन्नतशील गन्ना बीज संवर्धन केन्द्र की स्थापना की जाये, प्राकृतिक एवं जैविक कृषि का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार एवं वास्तविक रूप से प्रचलन कराने हेतु

श्री वैकटेश्वरा विश्वविद्यालय में “संकल्प से समृद्धि की ओर” विषय पर कार्यशाला व “प्रबुद्धजन संवाद सम्मेलन-2025” का आयोजन भारत को विकसित राष्ट्र एवं विश्व गुरु बनाने के महायज्ञ में सरकार के साथ-2 देश के प्रत्येक व्यक्ति की भागेदारी हो सुनिश्चित: सुधीर गिरि



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। आज राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित वैकटेश्वरा संस्थान में उत्तर प्रदेश शासन की ओर से “समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश/2047 अभियान” के अन्तर्गत “संकल्प से समृद्धि की ओर” विषय पर आयोजित “कार्यशाला एवं संवाद कार्यक्रम-2025” का शानदार आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करते हुए उत्तर प्रदेश के आवास आयुक्त वरिष्ठ आईओएसओ बलकार सिंह ने उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश के बिना विकसित भारत/2047 की परिकल्पना भी बेमानी है। भारत को दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनाने में उत्तर प्रदेश

● पिछले एक दशक में बेहतर कनेक्टिविटी, ऐतिहासिक इंफ्रास्ट्रक्चर, भूयुक्त एवं बिजनेस फ्रेडली माहौल से देशभर में उत्तर प्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बना : श्रीमति निधि गुप्ता वत्स

राज्य की भूमिका सर्वोच्च होगी। श्री वैकटेश्वरा विश्वविद्यालय के अदल सभागार में विकसित उत्तर प्रदेश/2047 अभियान के अन्तर्गत “संकल्प से समृद्धि की ओर” विषय पर आयोजित “कार्यशाला एवं संवाद कार्यक्रम-2025” का शुभारम्भ मुख्य अतिथि वरिष्ठ आईओएसओ बलकार सिंह, संस्थापक अध्यक्ष श्रुधीर गिरि,

आईओएसओ निधि गुप्ता वत्स, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, आचार्या सुमेधा दीदी, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी मिश्र, वरिष्ठ शिक्षाविद सी0सी0एस0 यूनि0 के प्रोफेसर डॉ0 मृदुल कुमार गुप्ता, केन्द्रीय लोकनिर्माण विभाग के महानिदेशक रणजीत सिंह आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्वलित करके किया। अपने सम्बोधन के मुख्य अतिथि वरिष्ठ आईओएसओ बलकार सिंह ने कहा कि आज शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर, सुदृढ़ कानून व्यवस्था, अच्छी शिक्षा, विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं, उन्नत कृषि, शोध अनुसंधान एवं नवाचारों व बढ़ती प्रति व्यक्ति आय से यूपी देश की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला राज्य बन गया है। भारत को

2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में यूपी की भूमिका सर्वोच्च होगी। संकल्प से समृद्धि की ओर विषय पर आयोजित कार्यशाला को आचार्या सुमेधा दीदी, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, वरिष्ठ शिक्षाविद एवं चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के प्रो0 मृदुल कुमार गुप्ता, सी0डी0ओ0 अश्वनी मिश्र, डॉ0आई0ओ0एस0 डॉ0 प्रवेश कुमार आदि ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर कुलपति कृष्णकान्त दवे, कुलसचिव डॉ0 पीयूष पाण्डेय, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 मोनिका अहलावत, युवा मोर्चा अध्यक्ष शुभम चैधरी, एस0एस0 बघेल, अरूण गोस्वामी, डॉ0 श्रीराम गुप्ता, संजीव राय, नगेन्द्र प्रताप सिंह, मेरठ परिसर निदेशक डॉ0 प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।



सट्टा प्रदर्शन मेले में गन्ना किसानों की आपत्तियों का होगा निस्तारण: बीके पटेल



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। जनपद के जिला गन्ना अधिकारी ब्रजेश कुमार पटेल ने अवगत कराया है कि गन्ना किसानों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण एवं आधुनिक गन्ना खेती की जानकारी उपलब्ध करने हेतु जनपद मेरठ की सभी सहकारी गन्ना विकास

समितियों पर 15 सितंबर से 25 सितंबर 2025 तक सट्टा प्रदर्शन मेला आयोजित किया जाएगा तथा मेले की अवधि में ही प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण समिति में ही किया जाएगा। इस अवसर पर किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी, तकनीकी प्रशिक्षण एवं गन्ना फसल की नई विधियों से अवगत कराया

जनपद मेरठ की सहकारी गन्ना विकास समितियों में मेला आयोजन के कार्यक्रम की तिथियां निम्नप्रकार है...

- | | |
|---|---------------------------------|
| ► सहकारी गन्ना विकास समिति, मवाना | 15 से 25 सितंबर (समिति कैम्पस) |
| ► सहकारी गन्ना विकास समिति, दौराला | 15 से 25 सितंबर (समिति कैम्पस) |
| ► सहकारी गन्ना विकास समिति, सकौती-टांडा | 15 से 25 सितंबर (समिति कैम्पस) |
| ► सहकारी गन्ना विकास समिति, मेरठ | 15 से 25 सितंबर (समिति कैम्पस) |
| ► सहकारी गन्ना विकास समिति, मलियाना | 15 से 25 सितंबर (समिति कैम्पस) |
| ► सहकारी गन्ना विकास समिति, मोहिउद्दीनपुर | 15 से 25 सितंबर (समिति कैम्पस) |

जाएगा। समिति स्तर पर लगाए जाने वाले स्टॉलों के माध्यम से किसानों को तौल व्यवस्था, भुगतान, उच्च उत्पादक गन्ना किस्में, कीट प्रबंधन, जैविक खेती, डिजिटल सेवाएं, सहकारी सेवाएं तथा वैज्ञानिक खेती की जानकारी भी उपलब्ध होगी। उन्होंने यह भी बताया कि

किसान अपनी गन्ना आपत्तियाँ ऑनलाइन म-व्हॉट्सएप अथवा टोल फ्री नंबर 1800-121-3203 पर भी दर्ज करा सकते हैं। प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण मेले की अवधि में समितियों पर ही सुनिश्चित किया जाएगा जिला गन्ना अधिकारी, मेरठ ने किसानों से अपील की है कि वे इस सट्टा प्रदर्शन

मेले में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं तकनीकी जानकारी का लाभ उठाएँ। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि मेरठ जनपद का प्रत्येक गन्ना किसान न केवल गन्ना उत्पादन और आय में प्रगति करें, बल्कि आत्म विश्वास और तकनीकी ज्ञान से भी सशक्त हो।

यमुना में उफान से बागपत के किसानों की हजारों बीघा फसल बर्बाद

उचित मुआवजे की मांग लेकर लखनऊ में सीएम से मिले बिनौली ब्लॉक प्रमुख

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बड़ौत। यमुना नदी में आए तेज उफान के कारण बागपत जिले में किसानों की हजारों बीघा फसल बर्बाद हो गई है। किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है और उनकी आर्थिक स्थिति पर संकट गहरा गया है। प्रभावित किसानों ने उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

किसानों की समस्या को लेकर बिनौली ब्लॉक प्रमुख कुलदीप तोमर ने लखनऊ जाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। उन्होंने पीड़ित किसानों के हित में मुआवजा दिलाने की मांग की और साथ ही भविष्य में ऐसी आपदाओं से किसानों को बचाने के लिए टोस कार्य योजना तैयार करने का अनुरोध किया।



कुलदीप तोमर ने कहा कि यमुना के उफान से प्रभावित किसानों का जीवन संकट में है, इसलिए सरकार को शीघ्र राहत और सहायता प्रदान करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी

कहा कि यदि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए दीर्घकालिक उपाय नहीं किए गए तो हर साल किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ेगा। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान

तहसील दिवस में शिकायत लेकर पहुंचे संजय राम को मिला अंत्योदय राशन कार्ड

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। जनपद में शासन की पारदर्शिता और जनहित की सोच का सुंदर उदाहरण तहसील दिवस पर देखने को मिला। अविवाहित संजय राम, निवासी गांव पिलाना, अपनी सामाजिक सुरक्षा व खाद्यान्न से जुड़ी समस्या लेकर तहसील दिवस कार्यक्रम में पहुंचे थे।

अधिकारियों ने उनकी समस्या को संवेदनशीलता से सुना और पूरी प्रक्रिया को सुचारू व पारदर्शी ढंग से पूरा करते हुए उनका अंत्योदय राशन कार्ड निर्बाध रूप से जारी कर दिया गया। अब संजय राम जैसे कमजोर वर्ग के नागरिक भी सरकारी मदद से जरूरी खाद्यान्न, दाल, नमक और तेल निःशुल्क प्राप्त कर सकेंगे।

जिला पूर्ति अधिकारी अनूप तिवारी ने बताया कि जनपद में इस योजना के तहत 7594 अंत्योदय राशन कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिनसे कुल 27,275 लाभार्थी सीधे



लाभान्वित हो रहे हैं। साथ ही, पात्र गृहस्थी श्रेणी के तहत 196,942 राशनकार्ड बन चुके हैं, जिनमें 8,85,651 लाभार्थी शामिल हैं। कुल मिलाकर 204,536 राशनकार्डों के जरिए 9,12,926 लाभार्थियों को सरकारी खाद्यान्न व आवश्यक वस्तुएं वितरण की जा रही हैं।

जनपद में वर्ष 2017 से 2020 तक पात्र राशनकार्ड धारकों को कुल 2,12,198.223 मेट्रिक टन गेहूँ और चावल वितरण किया गया। वहीं, वर्ष 2020 से 2025 के दौरान निःशुल्क वितरण में 1,11,263.046 मेट्रिक टन अनाज लाभार्थियों तक पहुंचा। इस प्रकार,

कुल 3,23,461.269 मेट्रिक टन खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण ग्रामीण और शहरी नागरिकों तक पहुंचाया गया। इसके अतिरिक्त वर्ष 2021-22 व 2022-23 में 39,716.300 मेट्रिक टन दाल, साबुत चना, आयोडाइज्ड नमक और खाद्य तेल का भी निःशुल्क वितरण सुनिश्चित किया गया।

उन्होंने बताया कि अंत्योदय राशन कार्ड बनवाना अब और भी आसान हो चुका है। आवेदन प्रक्रिया में आधार संख्या, मोबाइल नंबर, स्थायी व वर्तमान पता, परिवार की आय, एलपीजी कनेक्शन की जानकारी, बैंक खाता विवरण और जरूरी दस्तावेज (फोटो, आधार, बैंक पासबुक का प्रथम पृष्ठ) अपलोड करना होता है। डुप्लीकेसी जांच और पात्रता सत्यापन के पश्चात काई जारी कर दिया जाता है। काई जारी होने की सूचना सीधे मोबाइल पर एसएमएस के जरिए लाभार्थी को भेज दी जाती है।

विश्व बंधु शास्त्री

बागपत/मेरठ। जनहित फाउंडेशन की ओर से आज रघुनाथ गर्ल्स इंटर कॉलेज में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी धर्म गुरु को साथ जोड़ कर बाल विवाह मुक्त भारत बनाने की अपील की गई और सभी बालिकाओं को शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में बालिकाओं ने बाल विवाह जैसी कुरीति के खिलाफ अपनी बात मजबूती के साथ रखी। हिंदू समाज से पंडित विवेक दत्त शर्मा ने बाल विवाह का पूरी तरह से विरोध जताया। उन्होंने बताया यह सही में कानूनी रूप से अपराध है। मुस्लिम समाज से जैनुन राशिदीन ने बताया कि हमारे धर्म में भी बालिका की आयु विवाह के लिए 18 वर्ष है और लड़के की आयु 21 वर्ष है। उन्होंने बालिकाओं/ बालकों को शिक्षा से जोड़ने की बात पर बल दिया। अनीता राणा ने बताया कि बालिका को कम



उम्र में विवाह की बेड़ियों में नहीं जकड़े। उसको खुल कर जीने दो, जिस से उनका मानसिक और शारीरिक विकास हो सके। सिख समाज से ज्ञानी हरनम सिंह ने बताया कि बेटी/बेटा दोनों बराबर हैं। यदि माता पिता उनको सही रास्ता दिखा दे तो हर बड़े पद पर बैठियां ही नजर आएंगी। हमको जरूरत है उनको समझने की उनको संस्कार देने की। ईसाई समाज से फादर डेनियल यशु ने कहा कि सभी जगह हम बच्चों को उनकी प्रतिभा को तराशने का अवसर दे, जिस से बेटीयों में कभी भी बेटी से कम है यह सोच विकसित नहीं होने दे।

रविदास समाज से राजकुमार ने बाल विवाह जैसी बुराई को खत्म करने के अभियान में अपना पूर्ण रूप से समर्थन दिया। सरबजीत कपूर ने सभी धर्म के लोगों को एक साथ इस अभियान से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम की संयोजिका अनीता राणा ने सभी धर्म गुरुओं का विशेष आभार जताया। उन्होंने कहा, मेरी बेटी अभी

पढ़ेगी, विवाह की सूली नहीं चढ़ेगी, इस नारे से बालिकाओं में जोश भर दिया। प्रिंसिपल रजनी शंखधर ने बालिकाओं को शपथ दिलाई और भविष्य में भी इस तरह के आयोजन करने की बात कही। उन्होंने बताया कि अगर हर बालिका अपने आपसास की अन्य बालिकाओं को जागरूक करती रहे तो यह बाल विवाह का खात्मा हो जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में सरबजीत कपूर, जनहित फाउंडेशन कॉर्डिनेटर अजय कुमार, कविता त्यागी आदि का सहयोग रहा। संचालन इंदिरा जी ने किया।

फखरपुर में शांत हुई आकाशवाणी की आवाज ग्राम संसार कार्यक्रम के उद्घोषक रहे सतपाल महाशय का निधन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। आकाशवाणी दिल्ली से ग्राम संसार कार्यक्रम में वर्षों तक किसान भाइयों को अपनी मधुर वाणी से जोड़ने वाले फखरपुर निवासी सतपाल महाशय का शनिवार को 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सतपाल महाशय रमाला इंटर कॉलेज में संगीत शिक्षक रहे। आकाशवाणी के विविध भारती पर प्रसारित होने वाले कृषि प्रधान ग्राम संसार कार्यक्रम में वर्षों तक उनकी प्रस्तुतियां किसानों के लिए मार्गदर्शक बनीं। कार्यक्रम का जो प्रारंभिक संगीत आज भी बजता है, वह उन्हीं की रचना है। फखरपुर गांव में निकली



उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और उनके प्रशंसकों ने शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। भारतीय किसान यूनियन इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष पहलवान मुनेंद्र गुर्जर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल के अलग-अलग प्रकरणों को लेकर मेरठ कार्यालय में कमिश्नर से मिला। पहला प्रकरण बागपत जिले की खेकड़ा तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारियों कर्मचारियों के द्वारा किसान के उत्पीड़न की जांच कराने हेतु ज्ञापन दिया गया।

दूसरा प्रकरण मेरठ के ग्राम पांचली खुर्द में लगभग 20 बीघा जमीन प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत से भू-माफियाओं द्वारा अवैध तरीके से फर्जी बैनमैं कराकर कब्जा जाने के विरोध में 18 अगस्त



2025 को दिए गए ज्ञापन के बाबत आज फिर से स्मरण पत्र दिया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष पहलवान मुनेंद्र गुर्जर ने चेतावनी देते हुए चार दिन का समय दिया, यदि निष्पक्ष जांच किसी निष्कर्ष

पर नहीं पहुंच पाती है तो 15 सितंबर 2025 से संगठन किसान व क्षेत्र वासियों के साथ मिलकर तहसील सदर मेरठ के प्रांगण में अर्निश्चितकालीन धरना शुरू कर

देगा। लगभग 2 घंटे तक चले धरना प्रदर्शन के बाद सभी बातों से अवगत कराते हुए सिटी मजिस्ट्रेट मेरठ नवीन कुमार श्रीवास्तव को दोनों ज्ञापन सौंपे। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रवक्ता संजीव राणा, राष्ट्रीय वरिष्ठ संगठन मंत्री अनिल प्रधान, राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा मोर्चा आनंद विकल, राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा डॉक्टर साकिब सईद, जिला अध्यक्ष मेरठ दीपक राणा, राष्ट्रीय महासचिव अमित भड़ाना, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनवीर प्रमुख, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मोहित बैसला, राष्ट्रीय वरिष्ठ संगठन मंत्री अनिल प्रधान, अक्षय चौधरी, प्रीत यादव, ओमवीर सिंह आदि कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार ने गुरु गोविंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए 30 सितंबर तक मांगे आवेदन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार हेतु पात्र आवेदकों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाएगा, जिन्होंने मानवाधिकारों की रक्षा, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट और समर्पित कार्य किया है। इस पुरस्कार के तहत रुपये एक लाख का नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान गुरु गोविन्द सिंह जी के जन्मदिवस, 5 जनवरी, को एक भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस पुरस्कार के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति का भारत का मूल नागरिक होना अनिवार्य है, और उसे पुरस्कार पर विचार किए जाने वाले वर्ष में उत्तर प्रदेश राज्य की सीमा के भीतर सामान्यतः निवास करना चाहिए। आवेदक के कार्य मानवाधिकारों की रक्षा, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय होने चाहिए। साथ ही, यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि इस पुरस्कार के अंतर्गत पूर्व में आवेदक को राज्य सरकार द्वारा यह पुरस्कार न प्रदान किया गया हो।

जो व्यक्ति बागपत जनपद में निवास करते हैं और इन क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है, वे अपने कार्यों का तथ्यात्मक विवरण और अभिलेखीय साक्ष्यों के साथ अपने आवेदन 30 सितम्बर तक जिला विकास अधिकारी, बागपत के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। आवेदन चार प्रतियों में प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है। आवेदक के प्रस्ताव को जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की संयुक्त आख्या के साथ प्रेषित किया जाएगा, जिसमें यह स्पष्ट रूप से प्रमाणित किया जाएगा कि आवेदक के विरुद्ध कोई आपराधिक मामला लंबित या प्रचलित नहीं है और उन्हें किसी भी आपराधिक मामले में न्यायालय द्वारा दंडित नहीं किया गया है। जिन व्यक्तियों ने मानवाधिकार, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है, उनके लिए यह एक सुनहरा अवसर है कि वे अपने योगदान को पहचान दिलाएं।

101 साल के दादा ने पड़पोते के साथ काटा जन्मदिन का केक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। तहसील क्षेत्र के बसी गांव में 101 वर्षीय भंवर सिंह शर्मा ने अपने चार वर्षीय पड़पोते प्रियांशु शर्मा के साथ जन्मदिन मनाया। परिजनों ने दादा और पड़पोते दोनों को शुभकामनाएं दीं।



भंवर सिंह सात बच्चों के पिता, 18 पोतों और 5 पड़पोतों के दादा हैं। उनके पोते कपिल शर्मा द्वारा फेसबुक पर अपलोड की गई जन्मदिन की वीडियो वायरल हो रही है। कपिल ने लिखा कि परिवार के बीच चार पीढ़ियां एक साथ मौजूद हैं, यह हमारे लिए सुखद क्षण है। भंवर सिंह आज भी स्वस्थ हैं, रोज सुबह खेतों में घूमने जाते हैं और दिनभर बच्चों के साथ

समय बिताते हैं। परिवारजन बताते हैं कि वह गांव के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति हैं और अब भी पड़पोतों के साथ जीने की इच्छा रखते हैं।

पुलिस चौकी मुख्य चौराहे का नामकरण ‘भगवान परशुराम चौक’ करने की मांग

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। हथकरघा उद्योग व धर्मनगरी खेकड़ा के नागरिकों ने नगर पालिका परिषद अध्यक्ष को एक प्रार्थना पत्र सौंपकर पुलिस चौकी मुख्य चौराहे का नाम बदलकर हूबगवान परशुराम चौकह करने की मांग उठाई है।



क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह चौराहा नगर का सबसे व्यस्त स्थल है, जहां भगवान महादेव की प्रतिमा भी प्रतिष्ठित है। नगरवासी यहां नियमित पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसे में इस चौराहे का नाम हूबगवान परशुराम चौकह रखे जाने से यह स्थल और

भी गौरवशाली हो जाएगा। निवासियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार सनातन संस्कृति, परंपराओं, देवी-देवताओं एवं महापुरुषों की स्मृतियों को पुनर्जीवित करने के लिए लगातार

प्रयासरत है। उसी क्रम में स्थानीय लोग भी नगर में सांस्कृतिक विरासत को संजोने के लिए तत्पर हैं। क्षेत्रवासियों ने नगर पालिका अध्यक्ष से आग्रह किया है कि इस मांग पर शीघ्र निर्णय लेकर चौराहे का नाम बदलने की प्रक्रिया पूरी कराई जाए।

बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री मानवीय संवेदना की महत्वपूर्ण कड़ी: सीएम उत्तराखंड हिमाचल और पंजाब में की 48 ट्रक राहत सामग्री रवाना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

सहारनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सहारनपुर से उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब के बाढ़ प्रभावित नागरिकों के लिए राहत सामग्री से लदे 48 ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सरोवर पोर्टिको, अंबाला रोड पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि राहत सामग्री मानवीय संवेदना की महत्वपूर्ण कड़ी है। संकट की इस जनता इन तीनों राज्यों के अपने बहन-भाइयों के साथ खड़ी है। इस दौरान सीएम योगी ने इस मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश को पांच-पांच करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता राशि भी प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की ओर से राहत सामग्री के रूप में उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब के नागरिकों के लिए भेजा जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में चल रहे ह्राएक भारत, श्रेष्ठ भारत ढ्क के विजन का जिक्र करते हुए कहा कि विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित हो रहे हैं, साथ ही आपदा से निपटने के लिए सरकार के प्रयास अत्यंत प्रभावी साबित हो रहे हैं। एनडीआरएफ, आपदा मित्र और स्थानीय पुलिस जैसी संस्थाएं सक्रिय होकर राहत कार्य में अपनी भूमिका निभाती हैं। सीएम योगी ने कहा कि जब समाज और स्वयंसेवी संगठन पीड़ितों के साथ खड़े हो जाते हैं, तो सरकार के प्रयासों को और मजबूती मिलती है।

योगी सरकार के मंत्री व विधायक लेकर जाएंगे सहायता राशि

इस सहायता को पहुंचाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री कुंवर बृजेश सिंह उत्तराखंड जाएंगे, जबकि मंत्री जसवंत सेनी हिमाचल प्रदेश की राहत सामग्री और धनराशि लेकर जाएंगे। पंजाब के लिए सहारनपुर के नगर विधायक राजीव गुप्तर राहत सामग्री लेकर जाएंगे। सीएम ने कहा कि ये प्रतिनिधि वहां जाकर उत्तर प्रदेशवासियों की संवेदना प्रेषित करेंगे और सामग्री सौंपेंगे। जब पूरा देश संकट में एकजुट होता है, तो संकट, संकट नहीं रह जाता। उन्होंने कहा कि इन सभी के आवश्यकता पड़ेगी, तो उत्तर प्रदेश सरकार और 25 करोड़ की जनता हर



पीड़ित के साथ खड़ी है और हर प्रकार का सहयोग करने के लिए तत्पर रहेगी।

बचाव ही सबसे बड़ा उपाय है- सीएम योगी

सीएम ने जनता से अपील की कि आपदा के समय सतर्कता और सावधानी बरतें। जल ज्यादा आने पर डायरिया जैसी बीमारियां हो सकती हैं, इसलिए पानी उबालकर पिएं। घर के आसपास पानी एकत्र न होने दें, ताकि डेंगू और मलेरिया के लावां न पनपें। साफ-सफाई और छिड़काव का ध्यान रखें। अगर सांप या जहरीला कीड़ा काटे, तो झाड़ू-फूंक के चक्कर में न पड़कर तत्काल डॉक्टर के पास जाएं। हर सीएचसी और जिला अस्पताल में वैक्सीन उपलब्ध है। कुत्ता या जंगली जानवर काटे, तो एंटी-रेबीज वैक्सीन लें। बचाव ही सबसे बड़ा उपाय है।

सीएम योगी ने पत्रकारों को किया संबोधित

पत्रकारों को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से अतिवृष्टि, लाइटनिंग और बादल फटने की अनेक घटनाएं उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के अनेक स्थानों पर हुई हैं। अतिवृष्टि के कारण देश के कई भागों में बाढ़ से हालात प्रभावित हुए हैं। हालांकि केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा बाढ़ प्रभावित पीड़ित परिवारों के लिए प्रयास किए

जा रहे हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और फ्लड यूनिट से जुड़े तमाम संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएं और लोकल स्तर पर प्रयास हर राज्य सरकार के स्तर पर प्रारंभ किए गए हैं। लेकिन उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश पहाड़ी राज्य होने के नाते, जीवन अत्यंत दुर्गम और संघर्षों से भरा होता है। वहां पर आपदा पूरे जन-जीवन को प्रभावित करती है। और उन स्थितियों में, अगर देश का कोई क्षेत्र किसी आपदा की चपेट में है, तो अन्य राज्यों का यह दायित्व बनता है कि वहां पर हम भी अपने स्तर की राशि भेजकर प्रभावित और पीड़ित नागरिकों की सहायता के लिए कुछ हाथ बटाएं और संबल दें। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से, उत्तर प्रदेश में सफलतापूर्वक बाढ़ प्रबंधन के कार्यक्रम को लेकर, उत्तर प्रदेश सरकार एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पीएसी की फ्लड यूनिट, लोकल पुलिस, विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों, व्यापारिक और सामाजिक संगठनों के सहयोग से जहां सफलतापूर्वक इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रही है, वहीं उन पीड़ित नागरिकों को भी भरपूर सहायता कर रही है, जो बाढ़ से किसी-न-किसी रूप में प्रभावित हुए हैं। सीएम योगी ने कहा कि जो राहत सामग्री के रूप में हम यूपी में बाढ़ पीड़ितों को वितरित करते हैं, वही सामग्री का पैकेट बनाकर, जिससे वहां

समय पर किए गए प्रावधानों की वजह से बाढ़ की आपदा से बचा है यूपी- सीएम योगी

उत्तर प्रदेश में बाढ़ को सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए योगी ने कहा कि इस वर्ष अभी तक राज्य इस आपदा से बचा हुआ है, हालांकि निचले स्तर पर जल-भराव हुआ है। व्यापक पैमाने पर बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने के लिए समय पर किए गए प्रावधानों का परिणाम है कि आज हम इस आपदा को नियंत्रण के करीब पहुंच चुके हैं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों का जिक्र किया, जहां बाढ़ आई है, जैसे यमुना नदी का क्षेत्र—सहारनपुर, बगपत, गौतम बुद्ध नगर से लेकर प्रयागराज तक, जहां गंगा से मिलती है। साथ ही बिजनौर से बलिया तक गंगा के मुहाने, सरयू, घाघरा, रामगंगा और हिंडन नदी के इलाकों में पुख्ता व्यवस्था की गई है। इन नदियों में अमर जल ओवरफ्लो से जन-धन की हानि हुई, तो सरकार ने तत्काल राहत सामग्री पहुंचाई है।

दुर्भाग्यपूर्ण मौत पर पीड़ित परिवार को चार लाख रुपये का मुआवजा- मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने कहा कि यूपी में बरसात के समय अगर कोई जंगली जानवर, सांप या बिच्छू किसी व्यक्ति को काटता है और दुर्भाग्यपूर्ण मौत होती है, तो पीड़ित परिवार को सरकार चार लाख रुपये का मुआवजा तत्काल उपलब्ध करवाती है। आपदा से अगर किसी गरीब का मकान गिर गया, तो नया आवास बनाने के लिए धन उपलब्ध कराया जाता है। अगर जमीन और मकान नदी में विलीन हो गया या कटान की चपेट में आ गया, तो परिवार को जमीन का पट्टा और मकान बनाने के लिए धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। जहां गांव जल-प्लावित हुए, वहां सुरक्षित शिविरों में पहुंचाने के साथ ब्रेकफास्ट, दोपहर और शाम का भोजन, बच्चों के लिए दूध और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था की गई है।

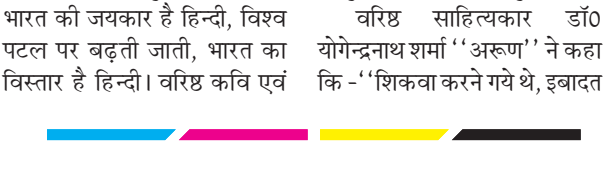
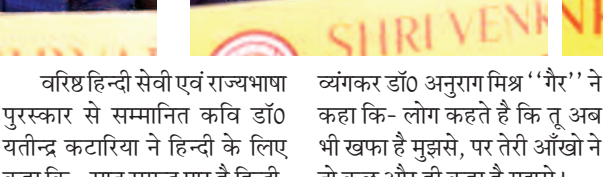
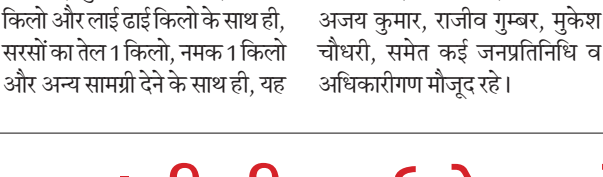
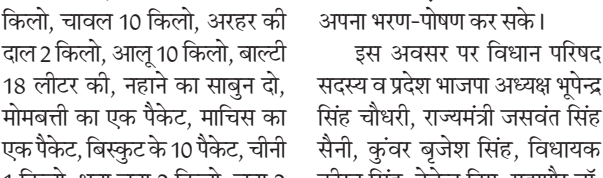
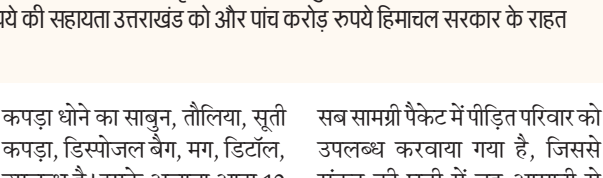
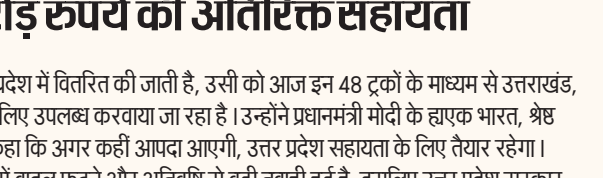
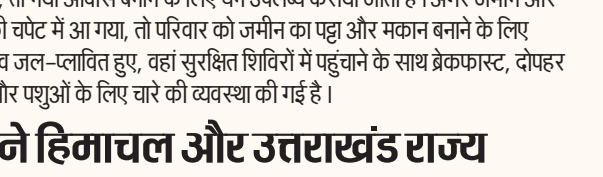
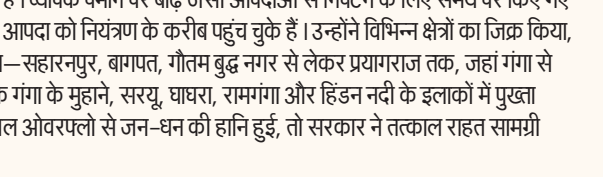
सीएम योगी ने हिमाचल और उत्तराखंड राज्य को दी 5 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता

सीएम योगी ने कहा कि जो सामग्री उत्तर प्रदेश में वितरित की जाती है, उसी को आज इन 48 ट्रकों के माध्यम से उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब के बहनों-भाइयों के लिए उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के ह्राएक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा पर जोर देते हुए कहा कि अगर कहीं आपदा आएगी, उत्तर प्रदेश सहायता के लिए तैयार रहेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड और हिमाचल में बादल फटने और अतिवृष्टि से बड़ी तबाही हुई है, इसलिए उत्तर प्रदेश सरकार और नागरिकों की ओर से पांच करोड़ रुपये की सहायता उत्तराखंड को और पांच करोड़ रुपये हिमाचल सरकार के राहत कोष के लिए उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

पर व्यापक पैमाने पर वितरित किया जा सके, इन 48 ट्रकों के माध्यम से आज हम सब यहां से भेज रहे हैं।

राहत सामग्री में मौजूद खाद्य पदार्थ व अन्य जरूरी वस्तुएं

राहत सामग्री में लाई, चना, धुना चना, चीनी, बिरिस्कट, माचिस, मोमबत्ती, नहाने का साबुन, बाल्टी, तिरपाल, आटा, चावल, अरहर की दाल, आलू, हल्दी, मिर्च, मसाला, रिफाईंड तेल, नमक, सेनेटरी पैड,



यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो : तीन साल में बढ़ा आकार, बढ़ी पहचान तीन साल में यूपीआईटीएस ने में खुद को दोगुना से ज्यादा किया मजबूत

- 2023 से 2025 तक इस मेगा आयोजन में प्रदर्शकों और विजिटर्स की संख्या में हुआ भारी इजाफा
- यूपीआईटीएस में विदेशी खरीदारों की बढ़ती उपस्थिति ने उत्तर प्रदेश को दिलाई वैश्विक पहचान



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) ने महज तीन वर्षों में खुद को देश और दुनिया के व्यापार मानचित्र पर स्थापित कर लिया है। 2023 में हुए पहले आयोजन से लेकर 2025 के तीसरे संस्करण तक यह शो हर साल आकार, प्रभाव और भागीदारी के लिहाज से और भव्य होता जा रहा है। प्रदर्शकों, विजिटर्स और विदेशी खरीदारों की लगातार बढ़ती संख्या इस बात का प्रमाण है कि यूपी अब निवेश, व्यापार और वैश्विक पहचान के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर शुरू हुए यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का तीसरा संस्करण 25 से 29 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में होने जा रहा है। यह केवल प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की औद्योगिक, कृषि और सांस्कृतिक ताकत को दुनिया के सामने रखने का मंच बन गया है। हर साल इसमें प्रदर्शकों, खरीदारों और विजिटर्स की बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि राज्य का औद्योगिक परिदृश्य किस तरह विस्तार पा रहा है।

2023 :प्रथम संस्करण से मिली नई दिशा

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो की शुरुआत वर्ष 2023 में हुई। इसका उद्घाटन महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया था। यह आयोजन राज्य के उद्योग जगत के लिए एक ऐतिहासिक कदम साबित हुआ। इसमें करीब 70

हजार इ2इ विजिटर्स पहुंचे, जिनमें उद्योग और कारोबार जगत के बड़े नाम शामिल थे। 12 लाख 37 हजार बी2सी विजिटर्स ने घरेलू बाजार के प्रति गहरी दिलचस्पी दिखाई। वहीं, 1914 प्रदर्शक (एग्जिबिटर्स) ने अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन किया। 400 से अधिक विदेशी खरीदार (फॉरेन बायर्स) ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नए अवसरों को तलाश। इस पहले ही आयोजन ने यूपी के उत्पादों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाई और स्थानीय उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जोड़ने का अवसर दिया।

2024 :दूसरे संस्करण में और भी भव्य आयोजन

पहले संस्करण की सफलता ने 2024 के आयोजन को और बड़े पैमाने पर पेश करने की राह दिखाई। इस बार उद्घाटन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया। आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं कि यूपीआईटीएस का प्रभाव और दायरा लगातार बढ़ रहा है। इस दौरान, बी2बी विजिटर्स की संख्या 1 लाख से अधिक रही, यानी लगभग दोगुनी बढ़त। वहीं, बी2सी विजिटर्स की संख्या 3 लाख के पार पहुंच गई। 2122 प्रदर्शकों ने हिस्सा लिया, जो पिछले साल से बढ़ोतरी का स्पष्ट संकेत है। इसके अतिरिक्त, इस मेगा इवेंट में 350 से अधिक विदेशी खरीदार शामिल हुए, जिनकी मौजूदगी ने राज्य के कारोबार को और अधिक अंतरराष्ट्रीय अवसर दिए। दूसरे संस्करण ने यह साबित कर दिया कि यूपीआईटीएस अब केवल राष्ट्रीय नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार का प्रमुख मंच बन चुका है।

हिन्दी दिवस पर श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय एवं वीजीआई मेरठ के संयुक्त तत्वाधान में ‘काव्य संगौष्ठी व साहित्य सम्मान समारोह-2025’ का आयोजन



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। आज राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित वेंकटेश्वरा संस्थान में हिन्दी दिवस पर शानदार काव्य संगौष्ठी एवं साहित्य सम्मान समारोह का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आये कवियों एवं साहित्यकारों ने हिन्दी के सम्मान में एक से एक बढ़कर शानदार प्रस्तुतियां देकर सभी से हिन्दी को अपने कामकाज, व्यवहार एवं व्यापार की भाषा बनाने की पुरजोर वकालत की।

इस अवसर पर समूह चेयरमैन डॉ0 सुधीर गिरि ने प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी के साथ मिलकर कवियों एवं साहित्यकारों को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। संस्थान के रविन्द्रनाथ टैगोर



सभागार में काव्य संगौष्ठी एवं साहित्य सम्मान समारोह का शुभारम्भ समूह चेयरमैन डॉ0 सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, जयपुर से आयी देश की अन्तर्राष्ट्रीय कवयित्री डॉ0 मधु चतुर्वेदी, प्रधान सलाहकार डॉ0 वी0पी0एस0



अरोड़ा, डॉ0 अनुराग मिश्र ‘गौर’, डॉ0 यतीन्द्र कटारिया, डॉ0 योगेन्द्रनाथ शर्मा ‘अरूण’ आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के समुख दीप प्रज्ज्वलित करके किया। कवि सम्मेलन/संगौष्ठी का शुभारम्भ पर काव्य पाठ करते हुए



वरिष्ठ/विख्यात कवियत्री डॉ0 मधु चतुर्वेदी ने यूँ कहा उम्र भर हमने ऐसे कसाले जिये, दम निगलते रहे पर उजाले दिये। प्यास में आँसुओं का रसायन मिला, तृप्ति के घट तुम्हारे हवाले किये। सुनकर सभी की तालिया बजाने पर मजबूर कर दिया।



वरिष्ठ हिन्दी सेवी एवं राज्यभाषा पुरस्कार से सम्मानित कवि डॉ0 यतीन्द्र कटारिया ने हिन्दी के लिए कहा कि - सात समुन्द्र पार है हिन्दी, भारत की जयकार है हिन्दी, विश्व पटल पर बढ़ती जाती, भारत का विस्तार है हिन्दी। वरिष्ठ कवि एवं



व्यंगकर डॉ0 अनुराग मिश्र ‘गैर’ ने कहा कि - लोग कहते हैं कि तू अब भी खफा है मुझसे, पर तेरी आँखों ने तो कुछ और ही कहा है मुझसे। योगेन्द्रनाथ शर्मा ‘अरूण’ ने कहा कि - ‘‘शिकवा करने नये थे, इबादत

अजय श्रीवास्तव, आर0एस0 शर्मा, डॉ0 पीयूष पाण्डेय, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 दिव्या गिरिधर, डी0पी0 सिंह, डॉ0 लक्ष्मण सिंह रावत, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 सी0पी0 कुशवाहा, डॉ0 एस0एन0 साहू, डॉ0 श्वेता गुप्ता, डॉ0 राजवर्द्धन, डॉ0 रमेश चौधरी, डॉ0 राहुल, डॉ0 ओमप्रकाश, डॉ0 अश्विन सक्सेना, डॉ0 रामकुमार, डॉ0 मोहित शर्मा, डॉ0 वर्षा यादव, डॉ0 ज्योति सिंह, डॉ0 योगेश्वर शर्मा, डॉ0 अनिल जायसवाल, मारुफ चौधरी, अरूण गोरखाम्नी, राजीव सिंह, विशाल शर्मा, एस0एस0 बघेल, गुरुदयाल कटियार, विक्रान्त चौधरी, रिकी शर्मा, सी0एफ0ओ0 विकास भाटिया, विकास श्रीवास्तव, आनन्द नागर, मेरठ परिसर निदेशक डॉ0 प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

सेहत/स्वास्थ्य

बदलते मौसम में खराश ने जकड़ लिया गला, इन 3 काढ़ा के सेवन से दूर होगी समस्या



धीरे-धीरे मौसम में काफी बदलाव आ रहा है। बदलते मौसम में कई सारी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। इस मौसम में अधिकतर गले में खराश बनी रहती है। गले में खराश होने से बार-बार असहज महसूस होता है, कई बार तो खराश की वजह से व्यक्ति अपनी बात को सही प्रकार से दूसरे के सामने रख नहीं पाती हैं। लंबे समय खराश की समस्या से जूझ रहे हैं, तो आप इन काढ़ों का सेवन कर सकते हैं, इससे आपके गले की खराश दूर हो

जाएगी। आइए आपको बताते हैं गले की खराश को दूर के लिए काढ़े।
हल्दी, शहद और काली मिर्च का काढ़ा

इस काढ़े को बनाने के लिए एक गिलास पानी में हल्दी को मिलाकर और चुटकी भर काली मिर्च मिलाएं। इस मिश्रण को उबाल लीजिए और इसे छानकर सेवन करें। आप चाहें तो इस मिश्रण में शहद भी मिला सकते हैं। हल्दी में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं

जो दर्द व सूजन में राहत दिलाते हैं। काली मिर्च कप में राहत देते हैं।

दालचीनी, लौंग और तुलसी का काढ़ा

गले की खराश में इन तीनों का मिश्रण राहत पहुंचाएगा। दालचीनी में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जबकि लौंग के सेवन से इन्फेक्शन को दूर किया जाता है। इसे बनाने के लिए आप एक गिलास पानी में दालचीनी का पाउडर और लौंग को तुलसी के

बदलते मौसम में गले की खराश एक आम समस्या है, जिससे निजात पाने के लिए यह लेख तीन प्रभावी आयुर्वेदिक काढ़ों का सुझाव देता है। हल्दी, तुलसी और अदरक जैसे प्राकृतिक तत्वों से बने ये काढ़े न केवल गले के दर्द और संक्रमण से राहत दिलाते हैं बल्कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत करते हैं।



पत्तों के साथ उबालें और इसे छानकर पिएं। ऐसा करने से आपके गले की खराश खत्म हो जाएगी।
अदरक- तुलसी का काढ़ा

बदले मौसम में गले की खराश, सर्दी-जुकाम के लिए यह काढ़ा बेहद फायदेमंद है। अदरक में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं और

इसके अंदर एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण भी मौजूद होते हैं। तुलसी इम्युनिटी बढ़ाने का भी काम करती है। इसे बनाने के लिए एक गिलास पानी में अदरक का टुकड़ा कूटकर डालें और साथ ही में चार-पांच तुलसी के पत्ते डाल दें। इस मिश्रण को उबाल लें। इस काढ़े को छान कर सेवन करें। इसमें शहद भी मिला सकते हैं, शहद आंशजल है।

ब्यूटी / फैशन

स्टाइलिश लुक के लिए कुर्ते के साथ बेल्ट करें स्टाइल, सब करेंगे तारीफ

वैसे तो लोग बेल्ट का प्रयोग जींस साथ ही करते हैं। लेकिन वे यह नहीं जानते एथनिक वियर के साथ भी बेल्ट बेहद शानदार नजर आती है। साड़ी हो या फिर कुर्ता सबके साथ बेल्ट एकदम परफेक्ट लगती है।

अगर आप भी पाटी या फेस्टिवल में जलवा बिखरना चाहती हैं, तो आप कुर्ते के साथ बेल्ट को पहन सकती है। हर लड़की के वाइरोब में कुर्ता जरूर रखा होता है। अगर आप भी सिंपल कुर्ते में एक स्टर्निंग लुक क्रिएट करना चाहती हैं, तो आप बेल्ट पहन सकती है। आइए आपको बताते हैं कैसे बेल्ट स्टाइल करें।

सही बेल्ट चुनना

जैसा कुर्ते का रंग उसी के हिसाब से बेल्ट चुनें। सिंपल से कुर्ते के लिए मोटी, स्ट्रेटमेंट बेल्ट चुन सकते हैं। आपको इसमें चमड़े या कढ़ाई वाली बेल्ट मिल जाएगी। वहीं भारी कढ़ाई वाले कुर्ते के लिए पतली या डेलिकेट बेल्ट सही होगी।

कमर को हाइलाइट करें

कुर्ते पर बेल्ट को स्टाइल करें तो कमर पर बांधे जिससे आपको कमर हाइलाइट हो। यदि आपका कुर्ता लंबा



है तो इसे हल्का ही टक करके बेल्ट लगाएं।

हाई-वेस्ट बेल्ट लंबे कुर्ते के लिए सबसे बेस्ट होती है। मिड-वेस्ट के लिए बेल्ट छोटे या मध्यम लंबाई के कुर्तों के लिए परफेक्ट होती है।

रंगों का भी ध्यान रखें

ध्यान रखें कि बेल्ट का रंग कुर्ते के रंग से कंट्रास्ट या कॉम्प्लिमेंट्री होना चाहिए। जैसे कि काले या डार्क रंग के कुर्ते के साथ गोल्डन, सिल्वर या लाल

बेल्ट अच्छी लगी है। जबकि हल्के रंग के कुर्तों के लिए बेज या ब्राउन या पेस्टल रंग की बेल्ट चुनें।

एक्सेसरीज के साथ मैचिंग करें

बेल्ट वियर करने के साथ ही आप जूते, बैग या गहनें भी मैच कर सकते हैं। जैसे कि गोल्डन बेल्ट के साथ गोल्डन झुमके या चूड़ियां पहनें। ट्रेडिशनल लुक के लिए कढ़ाई वाली या जरी की बेल्ट चुन सकते हैं। इसके

रोजाना हम सभी कपड़े को वियर करते हैं लेकिन स्टाइलिश बिल्कुल भी नजर नहीं आते हैं। कहीं न कहीं आउटफिट पहनने में गलती कर देते हैं। अगर आप भी कुर्ता पहनकर स्टाइलिश दिखना चाहते हैं, तो यह लेख आपके लिए है। कुर्ते को स्टाइलिश पहनने के लिए आप बेल्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए आपको बताते हैं कैसे बेल्ट स्टाइल करें।



अलावा, आप फ्यूजन लुक के लिए लेदर या मेटालिक बेल्ट ट्राई करें।

घरेलू नुस्खे

बच्चों का टिफिन झटपट से होगा खत्म, लंच के लिए बनाएं टेस्टी पनीर फ्रैंकी रोल



आजकल के बच्चों की चटोरी जीभ हो रखी है। घर का स्वादिष्ट खाना कम पसंद करते हैं और फास्ट फूड जी भर के खाते हैं। अगर आपके भी बच्चे टिफिन पूरी फिनिश नहीं करते हैं, तो आप उनके लिए पनीर फ्रैंकी रोल बना सकते हैं। आइए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

बच्चों के खाने को लेकर माएं अक्सर परेशान रहती हैं। ज्यादातर माओं को सुबह उठते ही टेन्शन होने लगती है कि बच्चों के टिफिन में पेसा क्या रखें बच्चे पूरा लंच खाकर ही आए। वैसे तो बच्चों को जंक फूड खाने आदत ज्यादा होती है, लेकिन आप उनके लिए लंच में कुछ हेल्दी के साथ ही टेस्टी डिश बनाकर रख सकते हैं। ज्यादातर बच्चों को फास्ट फूड खाना खूब पसंद होता है, ऐसे में आप टिफिन के लिए पनीर फ्रैंकी रोल बना सकते हैं। पनीर फ्रैंकी रोल हेल्दी के साथ काफी टेस्टी है, जो आपके बच्चों को खूब पसंद आएगा। तो चलिए बिना देर किए

आपको रेसिपी बताते हैं।
पनीर फ्रैंकी रोल बनाने के लिए सामग्री

- 100 ग्राम कद्दूकस किया हुआ पनीर
- 4 मैदे की रोटियां
- 2 आलू
- 1/4 बंदगोभी
- 1 गाजर
- 1/2 बड़ा चम्मच चाट मसाला
- 1/4 बड़ा चम्मच हल्दी पाउडर
- 1/2 बड़ा चम्मच लाल मिर्च पाउडर

- 1 बड़ा चम्मच अमचूर पाउडर
- 1/2 बड़ा चम्मच चाट मसाला
- 2 बड़े चम्मच हरा धनिया
- 2 बड़े चम्मच नींबू का रस
- तेल जरूरत के अनुसार
- नमक स्वादानुसार

पनीर फ्रैंकी रोल बनाने की विधि

बच्चों के टिफिन के लिए पनीर फ्रैंकी रोल बनाने के लिए आपको सबसे पहले आपको उबले हुए आलू को छीलकर मेश कर लें। इसके बाद पनीर को कद्दूकस कर लीजिए। फिर इसमें आलू, नींबू का रस, हल्दी



पाउडर, आमचूर, चाट मसाला, स्वादानुसार नमक और बारीक कटा हुआ हर धनिया डालकर सभी चीजों

को अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को लंबे आकार के कबाब बनाकर रेडी कर लें। अब गैस को मीडियम आंच पर

तवा चढ़ाकर थोड़ा सा तेल डालकर गर्म होने दें। तेल गर्म होने के बाद इसमें तैयार किए हुए कबाब डालकर दोनों तरफ सुनहरा होने तक फ्राई कर लें। इसके बाद गाजर और बंदगोभी को पतला-पतला काटकर एक बाउल में रखकर उसमें चाट मसाला और नमक मिलाकर ठंडा होने के लिए फ्रिज में रख दें।

पर्यटन

मध्य प्रदेश की इन फेमस जगहों को ट्रेवल प्लान में करें शामिल, अद्भुत होगा अनुभव



अगर आप भी शहर की भीड़ भाड़ से दूर असली भारत और उसकी जड़ों को जानना चाहते हैं, तो आपको अगले ट्रेवल प्लान में मध्य प्रदेश की कुछ फेमस जगहों को शामिल करना चाहिए। यहां का इतिहास जीवित है, कला बोलती है और हर मोड़ पर संस्कृति अपनेपन का एहसास दिलाती है। ऐसे में अगर आप भी शहर की भीड़ भाड़ से दूर असली भारत और उसकी जड़ों को जानना चाहते हैं, तो आपको अगले ट्रेवल प्लान में मध्य प्रदेश की कुछ फेमस जगहों को शामिल करना चाहिए। यहां का इतिहास जीवित है, कला बोलती है और हर मोड़ पर संस्कृति अपनेपन का एहसास दिलाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मध्य प्रदेश की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताते जा रहे हैं।

मध्य प्रदेश को भारत का दिल कहा जाता है। यहां पर सिर्फ शहर नहीं बल्कि कई ऐसे गांव भी हैं, जो आज भी अपनी परंपरा, ऐतिहासिक धरोहर और लोक कथाओं के लिए काफी ज्यादा फेमस है। ऐसे में अगर आप भी शहर की भीड़ भाड़ से दूर असली भारत और उसकी जड़ों को जानना चाहते हैं, तो आपको अगले ट्रेवल प्लान में मध्य प्रदेश की कुछ फेमस जगहों को शामिल करना चाहिए। यहां का इतिहास जीवित है, कला बोलती है और हर मोड़ पर संस्कृति अपनेपन का एहसास दिलाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मध्य प्रदेश की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताते जा रहे हैं।

मांडू

बता दें कि मांडू को सिटी ऑफ जॉय और सिटी ऑफ लव भी कहा जाता है। इस जगह को राजा बाज बहादुर और रूपमती की प्रेम कहानी ने अमर बना दिया है। मांडू में मौजूद बावड़ियों, महलों और मस्जिदों के खंडहर पर्यटकों को इतिहास के पन्नों में ले जाते हैं। मानसून के समय पर यहां की सुंदरता दोगुनी हो जाती है।

ओरछा

बेतवा नदी के किनारे बसा ओरछा गांव भव्य मंदिरों, रानी महलों और छतरियों के लिए फेमस है। एक समय पर यह गांव बुंदेला राजाओं की राजधानी हुआ करता है। ओरछा का राम राजा मंदिर आज भी अद्वितीय है। यहां पर भगवान श्रीराम को राजा के रूप में पूजा जाता है।

भेड़ाघाट

जबलपुर के पास स्थित भेड़ाघाट सिर्फ अपनी संगमरमर की चट्टानों के लिए नहीं बल्कि अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। यहां पर बहती नर्मदा नदी और

धुआंधार जलप्रपात पर्यटकों को सुकून का एहसास कराते हैं।

चंदेरी

यह गांव अपने पारंपरिक चंदेरी साड़ियों के अलावा अपने किलों के लिए भी विश्व भर में काफी फेमस है। यहां पर मौजूद पुराने किले, गलियां और मस्जिदें शिल्पकला और इतिहास का अद्भुत मेल दर्शाती हैं। वहीं फैशन की दुनिया में भी चंदेरी का नाम हर जगह पर सुनाई देता है।

अमरकंटक

यह गांव धार्मिक और ऐतिहासिक दोनों ही दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है। इस जगह को 'नर्मदा उद्गम स्थल' भी कहा जाता है। यहां पर मौजूद प्राचीन मंदिर, आश्रम और प्राकृतिक सुंदरता आपको एक अनोखा और आध्यात्मिक अनुभव देता है।

भोजपुर

भोजपुर गांव को राजा भोज द्वारा निर्मित किया गया है। हालांकि यह गांव अपने अधूरे लेकिन भव्य शिव मंदिर के लिए काफी ज्यादा फेमस है। यहां पर स्थित विशाल शिवलिंग भारत के सबसे बड़े शिवलिंगों में से एक है। जोकि हर शिवभक्त को अपनी ओर आकर्षित करता है।

ओंकारेश्वर

बता दें कि नर्मदा नदी के बीच के द्वीप पर ओंकारेश्वर गांव स्थित है। जोकि 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक का घर है। यहां पर आप मंदिर, ओंकार पर्वत और घाट देख सकते हैं। जोकि धार्मिक आस्था के साथ ऐतिहासिक महत्व भी रखते हैं।



वित्तीय वर्ष 2025 एवं 2026 के विकास कार्यों पर हुई चर्चा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। विकास खण्ड भोजपुर गाजियाबाद स्थित शहीद भगत सिंह सभागार में क्षेत्र पंचायत समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ . मंजू शिवाच विधायक मोदीनगर रही एवं बैठक की अध्यक्षता श्रीमती सुचेता सिंह ब्लॉक प्रमुख भोजपुर ने की बैठक में मुख्य रुप से वित्तीय वर्ष 2025 एंव 2026 के विकास कार्यों पर चर्चा हुई खंड विकास अधिकारी पोथूष चंद्र राय ने बैठक की शुरूआत की जिसमें उन्होने वित्तीय खर्च के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी।

समस्त ग्राम प्रधान गण एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य गुणों की समस्त विभागों से विभिन्न विभिन्न प्रकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई बैठक में सुचेता सिंह के द्वारा

पंजाब में बाढ़ पीडितों की मदद करने पहुंचे बाबा परमेन्द्र आर्य



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। पंजाब में बाढ़ पीडितों की मदद करने पहुंचे श्योराण खाप चौधरी बाबा परमेन्द्र आर्य का दुख निवारण गुरुद्वारा साहिब मे सरोपा पहनाकर स्वागत किया।पंजाब में आयी भयंकर बाढ से बहुत नुकसान हुआ। गांव के गांव उजड गये। किसानों की फसलें बर्बाद हो गई पशु मर गए। बहुत से नागरिकों की जान चली गई।इस संकट



अपने चार साल के कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों की प्रशंसा समस्त ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र सदस्यगुणों द्वारा की गई डॉ . मंजू शिवाच ने कहा कि जैसे राज्य एवं केंद्र की सरकारें डबल इंजन की सरकार एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं ठीक उसी प्रकार हम भी अपने

विकास खण्ड भोजपुर एवं विधान सभा मोदीनगर में हम दोनों ही डबल इंजन बनकर विकास की गाड़ी को निरंतर ग्रामीण क्षेत्र से होकर शहर तक जन जन तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं लक्ष्य है कि आगामी वर्षों में कोई भी गाँव या शहर का मोहल्ला विकास से अछूता नहीं रहेगा, वहीं

सुचेता सिंह ने विधायक का धन्यवाद करते हुए अपने बयान में बताया कि मैंने निरंतर प्रधान के अपने सफय से ब्लॉक प्रमुख तक का सफर विकास के दम पर तय किया है।

और मेरी प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्र के अंतिम छोर में रहने वाले व्यक्ति के जीवन व्यापन से लेकर

उसकी सभी सुविधाओं तक का विकास करने का लक्ष्य रहेगा एवं सभी ग्राम प्रधान बीडीसी को अपने रीढ़ की हड्डी बताते हुए कहा कि आप सब मेरी ताकत हैं जिनसे मुझे इस ग्रामीण क्षेत्र को सभी समस्याओं के बारे में पता चलता है तथा राज्य एवं केंद्र सरकार के द्वारा चलायी जा रही सभी योजनाओं को क्रियान्वयन करने में आपकी अहम भूमिका रहती है साथ ही आप से आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सौहार्दपूर्ण एवं बिना किसी द्वेष ईर्ष्या के चुनाव को त्योहार के रूप में मनाने व आपके अग्रिम भविष्य की शुभकामनाएं भी प्रदर्शित करती हूँ।बैठक में मुख्य रूप से समस्त ग्रामों के प्रधान बीडीसी एवं सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी भाजपा के मण्डल अध्यक्ष दीपक गुर्जर भोजपुर एवं रोहित तोमर सीकरी महामाया भी उपस्थित रहे।

रालोद एसस-एसटी इकाई ने मोदीनगर में चलाया सदस्यता अभियान दलितों सहित राष्ट्रीय लोकदल से जुड़ रहा है हर वर्ग: बिड़ी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शुक्रवार को मोदीनगर के विजयनगर में राष्ट्रीय लोकदल गाजियाबाद के एससी/एसटी के जिला अध्यक्ष नरेंद्र जाटव द्वारा सदस्यताअभियान चलाया गया, जिसमें दर्जनों लोगों ने रालोद की सदस्यता ग्रहण की।

कार्यक्रम में सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष चैयरमैन अमरजीत सिंह बिड़्डी व जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी ने संयुक्त रूप से कहा कि दलित समाज के साथ ही हर वर्ग राष्ट्रीय लोकदल से जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक दल गरीब मजदूर मजलूम की आवाज उठाता है। रालोद राष्ट्रीय सचिव प्रबुद्ध कुमार और नरेंद्र खजूरी ने कहा कि राष्ट्रीय लोक दल को सरकार में एक मंत्रालय मिला, तो



जयंत चौधरी ने दलित समाज के अनिल कुमार को कैबिनेट मंत्री बनाकर यह बात दिया कि रालोद ही सर्व समाज की पार्टी है। इस सदस्यता अभियान की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सचिव प्रबुद्ध कुमार और एससी एसटी आयोग के

सदस्य नरेंद्र खजूरी रहे। कार्यक्रम का संचालन विनोद गौतम ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी, राष्ट्रीय सचिव प्रबुद्ध कुमार, आयोग के सदस्य नरेंद्र खजूरी, प्रदेश अध्यक्ष सहकारिता चैयरमैन अमरजीत सिंह बिड़्डी, प्रदेश सचिव आँडी त्यागी, योगेंद्र पतला,

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया साक्षरता शिविर का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा साक्षरता शिविर का आयोजन तहसील मोदीनगर में किया गया। वाहनों के चालान ब्रूट के साथ जमा करा सकते हैं। पैनल अधिवक्ता संजय मुदगल मोदीनगर- गाजियाबाद उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर जिला जज अध्यक्ष जनपद न्यायधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के नियंत्रण कुमार मिताक्षर सचिव अपर जिला जज, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के आदेश की देखरेख में शिविर का लगाया गया। जिसका संचालन विजय वशिष्ठ अधिवक्ता द्वारा किया गया। शिविर की अध्यक्षता अजीत पाल सिंह उपजिलाधिकारी द्वारा कि गयी जिसमें उपजिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि



राष्ट्रीय लोक अदालत मोदीनगर में भी लगायी जाती है। जिसमें आपसी सहमती से फाईलो का निस्तारित किया जनता है ओर बताया कि जिला स्तर पर सभी न्यायालयों में व तहसील स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। पैनल अधिवक्ता संजय मुदगल ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा तीन माह में एक बार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। जिसमें वाहनों के चालान, बैंक मामले, धारा

138 के वाद, वसुली संबन्धी वाद, आपराधिक वाद (सुलह योग्य), सिविल वाद, भू-अधीग्रहण, मोटर दुर्घटना प्रतिकरण वाद, पारिवारिक वाद, स्टाम्प वाद, उपभोगता फोरम, राजस्व वाद, चकबन्दी, श्रम वाद, नगर पालिका टेक्स वसुली वाद आदि का आपसी सुलह समझोते से निपटारा किया जाता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बीच-बीच में भी विशेष राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है।

सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत मंडल कार्यशाला का आयोजन



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत मंडल कार्यशाला का आयोजन किया गया।

भाजपा जिला अध्यक्ष चौधरी सुमन चौधरी, सतीश राठी, विनोद जाटव, एससी-एसटी के जिला अध्यक्ष नरेंद्र जाटव, विनोद चौधरी, योगेश फफराना अमित आर के आदि ने भाग लिया।

पूर्व जिला अध्यक्ष सत्यवीर राघव , वरिष्ठ भाजपा नेता स्वदेश जैन , जिला महामंत्री जितेन्द्र चितौड़ा, नवेन्द्र गोड़, जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र चौधरी, अमित चौधरी, अनिल आर्य के साथ देवेन्द्र डायमं, अमितेश जैन, अनिल सैन व मंडल अध्यक्ष किसान मोर्चा मुकेश चौहान समस्त जिला पदाधिकारी समस्त मंडल पदाधिकारी शक्ति केंद्र संयोजक मातृशक्ति व बृथ अध्यक्ष उपस्थित रहे।

लॉयंस क्लब मोदीनगर ने डॉ. अरुण त्यागी को सर्वश्रेष्ठ प्रधानाचार्य पुरुरस्कार सम्मान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। लॉयंस क्लब मोदीनगर सेंटरल द्वारा छाया पब्लिक स्कूल जो की शिक्षा ,खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान रखता है जिसके पांच से अधिक खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कौन बनेगा करोड़पति में जुनियर विजेता रहे हैं विंग कमांडर अभिषेक तोमर आईपीएस पुखराज कमल व ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका अदा करने वाले आदित्य त्यागी जज



शेफाली चंद्रवंशी , जैसी विलक्षण प्रतिभा से परिपूर्ण विद्यालय जिसे हाल

ही में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का विशेष आशीर्वाद भी मिला है। उस

डॉ. केएन मोदी कॉलेज में विज्ञान और गणित व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज में नेशनल कार्डसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्प्युनिकेशन डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी भारत सरकार के तत्वावधान में विज्ञान व गणित सीखने को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव मनाने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन मुख्य अतिथि वैज्ञानिक दीपक शर्मा ने विभिन्न प्रकार के सिद्धांत शिक्षक व शिक्षाओं को समझाए जैसे जेम्स वाट का भाप का इंजन किस सिद्धांत पर कार्य करता है ,विभिन्न प्रकार ध्वनियां बजाने के वाद्य यंत्र किस तरह से चरों में बना सकते हैं धागे की खाली रील से पाई का मान निकालने की विधि अप केंद्र बल और अभिकेंद्र बल को रस्सी और ईंट की सहायता से बड़ी रोचक ढंग से समझाया।

हम फूंक मार कर गेंद को किस प्रकार से घूमा सकते हैं, संतुलन के विषय में विज्ञान के रोचक प्रयोग द्वारा कार्यशाला में विभिन्न शिक्षक व शिक्षिकाओं को अनेक प्रयोग करके दिखाए। कार्यशाली की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने की।राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के राज्य समन्वयक दीपक शर्मा



ने बताया कि जिस तरह सूरज में स्वयं की ज्वाला होती है उसी प्रकार एक शिक्षक में भी स्वयं की प्रेरणा होनी चाहिए उन्हें बच्चों में ऐसी प्रेरणा भर देनी चाहिए जो खुद को सूरज समझे और खुद अपने रास्ते बनाने लगे।

आज कार्यशाला में छात्र-छात्राओं की विभिन्न प्रतियोगिताओं भी कराई गई जिसमें वि्वज प्रतियोगिता में डॉक्टर के एन मोदी कॉलेज के मोहित शर्मा प्रथम रूकमणि मोदी महिला इंटर कॉलेज की इशिका द्वितीय ,पीवीएस कन्या इंटर कॉलेज की दिव्या कुमारी तृतीय स्थान रहा। निबंध प्रतियोगिता में सीबीएस करना इंटर कॉलेज की काजल प्रथम केएन मोदी साइंस के कन्हैया को दूसरा ,आदर्श जनता इंटर कॉलेज फरीदनगर के प्रताप को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कलक्षिना की सारिका को सात्वना पुरस्कार मिला

पी बी ए एस कन्या इंटर कॉलेज की चंचल को दूसरा स्थान केएन मोदी के अनुराग को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन सिद्धांत एवं किताबों में पढ़ते हैं उन्हें कक्षाओं में छात्रों को विभिन्न प्रयोगों के द्वारा समझाएं तो छात्रों के समझ में वह सिद्धांत बहुत आसानी से आ सकता है। कार्यशाला के अंत में उत्क संस्था द्वारा विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ एस सी अग्रवाल, विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार सिंह वरिष्ठ प्रवक्ता तेजपाल सिंह जी को मोमेंट तो देकर सम्मानित किया। इस कार्यशाला को सफल बनाने में अजय कुमार रसायन विज्ञान प्रवक्ता राजीव जांगिड़ और राजीव कुमार वर्मा , मुख्य लिपिक सतीश कुमार और खाने की व्यवस्था में मुख्य रूप से धर्मवीर सिंह, का सहयोग रहा।

विद्यालय के निदेशक प्रधानाचार्य डॉ अरुण त्यागी को सर्वश्रेष्ठ प्रधानाचार्य के पुरस्कार से सम्मानित किया। मंच का संचालन संजीव चौधरी ने किया और डॉ अरुण त्यागी की उपलब्धियां से सभी को अवगत कराया। इस अवसर पर लॉयंस क्लब के एमओसी डॉ विनय मित्तल , अध्यक्ष राजेश अरोड़ा ,सचिव डॉ.जीएस सचदेवा ,कोषाध्यक्ष देवी शरण गर्ग ,वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ मनीष गर्ग , ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ साहिल गर्ग, उद्योगपति अंकुर सक्सेना ,सतीश अग्रवाल आदि गणमान्य लोगों की गरिमा में उपस्थिति रही।

गिन्नी देवी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज में सेनेटरी पैड किए गए वितरण

मोदीनगर। पोषण सप्ताह के अंतर्गत गिन्नी देवी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, मोदीनगर में एक विशेष सेनेटरी पैड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल का नेतृत्व रोटरी क्लब गाजियाबाद सैफन अध्यक्ष रोटेरियन साक्षी कंसल ने सहयोगी रोटरी क्लबों के साथ मिलकर किया। कार्यक्रम की मुख्य झलकियां- कार्यक्रम की शुरूआत रिबन कटिंग, दीप प्रचलन एवं छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना से हुई- मुख्य अतिथि: डॉ. निशा भारद्वाज (अध्यक्ष, रोटरी क्लब दिल्ली अर्कोर्ड)- विशेष उपस्थिति: प्राचार्या डॉ. पुनम शर्मा एवं डॉ. आकांक्षा सारस्वत संगीत एवं सांस्कृतिक विभाग)- मार्गदर्शन एवं प्रेरणा: सुश्री ज्योति गोयल, सुश्री अंजना सामंत एवं सुश्री मालिनी वशिष्ठ द्वारा प्रदान की गई- डॉ. धीरज भार्गव का विशेष रूप से उल्लेख किया गया। मुख्य परिणाम- छात्राओं को 800 से अधिक सेनेटरी पैड वितरित किए गए- 300 से अधिक छात्राएँ सीधे इस पहल से लाभान्वित हुईं- विशेषज्ञों ने मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता, पोषण और स्वास्थ्य को किशोरावस्था के समग्र कल्याण का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री ऐश्वर्या बहुगुणा, डायटीशियन शिवानी शर्मा एवं डॉ. सारिका गर्ग द्वारा किया गया- छात्र वॉलंटियर्स: निशा, किजल, चंचल, नाजिना, अंशिका, विपुल, काजल, निकिता, पलक, इराम और सुहानी ने सफल आयोजन में योगदान दिया।

॥ शक्ति यात्रा ॥

॥ विशुद्ध हवन सामग्री ॥

विशुद्ध जड़ीबूटियों जटामांसी, नागकेशर, अपामार्ग, अश्वगंधा, वचा, बालछड़, पीली सरसों, चंदन, हाउबेर, मालकांगनी, किंशुक पुष्प, गुलाब पुष्प, सुगंध कोकिला, लोध्र पठानी, बेल गिरी, गुग्गुलु, हल्दी, अष्टगंध, सर्वोषधि आदि 73 प्राकृतिक जड़ियों से निर्मित।

निर्माता एवं विक्रेता

॥ श्री पीताम्बरा विद्यापीठ सीकरी तीर्थ ॥

रैपिड पिलर 1117 के सामने, दिल्ली मेरठ रोड, मोदीनगर - 201204
m-7055851111 email: bhavishyachandrika@gmail.com

यज्ञ में विशुद्ध सामग्री ही संकल्प को सफल करती है।